epaper.dehatsandesh.com

3 कश्मीर घूमने आए यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन

5 मुझे लगता है मुझे काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा: मयंक यादव

8 एडीसी भद्रवाह ने स्वतंत्रता दिवस 2026 समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

मौसम जम्मू — न्यूनतम 18 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-186 | जम्मू तवी, शनिवार 25 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पेपर लीक पर सरकार सख्त, 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान, कैबिनेट ने कानून में संशोधन को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 जुलाई । केंद्र सरकार ने परीक्षा पेपर लीक पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पेपर लीक रोकथाम कानून (प्रिवेंशन ऑफ़ पेपर लीक एक्ट) में संशोधन को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित संशोधन के तहत पेपर लीक के दोषियों के लिए सजा और जुर्माने को पहले से कहीं अधिक कड़ा किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, नए प्रावधानों में अधिकतम 10 वर्ष की जेल और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, पेपर लीक के मामलों में दोषी पाए जाने वाले लोगों के लिए न्यूनतम सजा तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष करने का भी प्रस्ताव है।

इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार जल्द ही इस संशोधन विधेयक को संसद में पेश करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छात्रों से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक को लाने में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए।

रिजिजू ने कहा कि सरकार कैबिनेट के फैसले की जानकारी देने के बाद विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस इस विधेयक पर चर्चा में बाधा डालती है और संसद की कार्यवाही में व्यवधान पैदा करती है, तो उसे देश के युवाओं और जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

सरकार का कहना है कि यह संशोधन प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता बनाए रखने, पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री उमर ने जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम की अध्यक्षता की

कहा- कश्मीर और सिनेमा के ऐतिहासिक रिश्ते को फिर से मजबूत करना है उद्देश्य

श्रीनगर, 24 जुलाई- मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में जम्मू-कश्मीर के प्रथम अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफजेके) के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जम्मू-कश्मीर और सिनेमा के ऐतिहासिक संबंधों को पुनर्जीवित करने तथा प्रदेश को फिल्म निर्माण के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, पद्मश्री सम्मानित प्रख्यात फिल्म निर्माता मुज़फ्फर अली, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं लेखक इम्तियाज अली, फिल्म निर्माता साजिद अली, सूचना

निदेशक श्रेया सिंघल, सूचना विभाग के सचिव मुनिर-उल-इस्लाम, रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स के सचिव हारिस अहमद हंदू, संयुक्त सूचना निदेशक शहनवाज़ बुखारी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तथा फिल्म जगत से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव जम्मू-कश्मीर और फिल्म उद्योग के बीच एक नई साझेदारी की शुरुआत है। उन्होंने उस दौर को याद किया जब कश्मीर भारतीय सिनेमा का अभिन्न हिस्सा हुआ करता था।

उन्होंने कहा, 卐एक समय था जब बॉलीवुड और कश्मीर एक-दूसरे के पर्याय थे। कोई भी फिल्म तब तक पूरी नहीं मानी जाती थी, जब तक उसका कम से कम एक दृश्य कश्मीर की वादियों में फिल्माया न गया हो। यदि पूरी फिल्म यहां नहीं बनती थी, तो कम से कम उसका एक यादगार गीत अवश्य फिल्माया जाता था।

> **"सरकार जम्मू-कश्मीर को फिल्म निर्माण के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध**

आईएफएफजेके की परिकल्पना पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य उस ऐतिहासिक रिश्ते को फिर से स्थापित करना, स्थानीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा करना, रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा जम्मू-कश्मीर को दुनिया भर के दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना है।

खबर संक्षेप

राही- हॉप जम्मू बस सेवा से पर्यटन को मिली नई रफ्तार

जम्मू, 24 जुलाई । हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं अमर महल संग्रहालय के ट्रस्टी मार्तंड सिंह ने अमरनाथ यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए शुरू की गई राही- हॉप जम्मू बस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से जम्मू शहर में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिली है। उन्होंने इस सेवा की परिकल्पना और सफल संचालन के लिए उपायुक्त जम्मू राकेश मिन्हास तथा जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड और जम्मू नगर निगम की टीम की प्रशंसा की।

मार्तंड सिंह ने कहा कि 1 जुलाई को शुरू हुई इस बस सेवा ने पर्यटकों के लिए जम्मू के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंच आसान बना दी है। इससे शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिसका सकारात्मक प्रभाव स्थानीय व्यापार और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों पर भी पड़ा है। उन्होंने बताया कि पिछले दो सप्ताह के दौरान अमर महल संग्रहालय सहित कई प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आगंतुकों की संख्या लगभग दोगुनी हुई है। उनके अनुसार इस बढ़ोतरी में राही- हॉप जम्मू बस सेवा की आसान और सुविधाजनक कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

डीजीपी नलिन प्रभात ने मध्य कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा ऑपरेशन्स का लिया जायज़ा

श्रीनगर, 24 जुलाई । पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने शुक्रवार को मध्य कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारियों का विस्तृत जायज़ा लिया। डीजीपी के साथ कश्मीर ज़ोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बिरदी और मध्य कश्मीर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक राजीव पांडे भी मौजूद थे। समीक्षा बैठक में बडगाम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) के कमांडर भी शामिल हुए। दौरे के दौरान डीजीपी ने व वरिष्ठ अधिकारियों ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन किया, ऑपरेशनल रणनीतियों की समीक्षा की और आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन्स को मज़बूत करने तथा संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की। अधिकारियों ने क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई और लगातार शांति बनाए रखने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर ज़ोर दिया।

जेकेबोस ने 25 जुलाई को होने वाली 11वीं कक्षा की सालाना प्राइवेट/बाय-एनुअल परीक्षा स्थगित कर दी

श्रीनगर, 24 जुलाई । जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ़ स्कूल एजुकेशन ने शुक्रवार को बोर्ड की ओर से जारी आधिकारिक नोटिफ़िकेशन का हवाला देते हुए 25 जुलाई 2026 को होने वाली हायर सेकेंडरी पार्ट-I (कक्षा 11वी) की सालाना (प्राइवेट)/बाय-एनुअल 2026 परीक्षा को टालने की घोषणा की। डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. परवीन सिंह की ओर से जारी एक नोटिफ़िकेशन के अनुसार शनिवार, 25 जुलाई 2026 को होने वाली परीक्षा को टाल दिया गया है और परीक्षा की नई तारीख की जानकारी अलग से दी जाएगी। हालांकि बोर्ड ने साफ़ किया है कि जम्मू और कश्मीर स्टेट ओपन स्कूल (जेके एसओएस) की 12वीं कक्षा की परीक्षाएं जम्मू, श्रीनगर, लेह और करगिल सेंटरों पर पहले से तय डेट शीट के अनुसार ही होंगी।

मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों में भू- सूचना विज्ञान संस्थान समर्थित सूचना प्रौद्योगिकी-आधारित शासन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 24 जुलाई । मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू और कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों में भास्करचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी आयुक्त सचिव सौरभ भगत और भू-सूचना विज्ञान संस्थान के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर के अलावा संबंधित प्रशासनिक सचिव, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यरत डिजिटल शासन परियोजनाओं की कार्यान्वयन स्थिति

का मूल्यांकन करने, बाधाओं की पहचान करने, समय-सीमा की समीक्षा करने और शासन में सुधार, पारदर्शिता बढ़ाने और सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सुलभ, कुशल और नागरिक-हितैषी बनाने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी-आधारित पहलों को पूरा करने में तेजी लाने के लिए एक व्यापक विभाग-वार समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि डिजिटल परिवर्तन शासन सुधारों का एक प्रमुख स्तंभ है और विभागों को निर्देश दिया कि वे सभी लंबित मॉड्यूल को समय पर पूरा करने के लिए बीआईएसएजी-एन के साथ घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित करें।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक डिजिटल हस्तक्षेप का अंतिम लक्ष्य बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण, सरलीकृत प्रक्रियाएं, बढ़ी हुई जवाबदेही और नागरिकों के लिए अधिक सुविधा प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने आगे इस बात पर भी बल दिया कि सभी प्रौद्योगिकी-आधारित परियोजनाओं का उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं की पारदर्शी, कुशल और समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करके नागरिकों के जीवन स्तर को सुगम बनाना होना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर विभागों को परियोजना समय-सीमा का सख्ती से पालन करने और डिजिटल शासन पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभागीय डेटाबेस के निर्बाध एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शासन परिणामों में सुधार के लिए निरंतर निगरानी, तकनीकी मुद्दों के समय पर समाधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों को जहां भी संभव हो अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। वित्त विभाग के एआई-आधारित जीएसटी विश्लेषण और धोखाधड़ी का पता लगाने वाले पोर्टल की प्रगति की समीक्षा करते हुए बैठक को बताया गया कि इस प्लेटफॉर्म ने उन्नत विश्लेषण और धोखाधड़ी का पता लगाने वाले तंत्रों के माध्यम से कर अनुपालन को काफी मजबूत किया है।

सरकार ने कठुआ ग्रिड स्टेशन के 15.22 करोड़ रुपये के संवर्धन को दी मंजूरी

जम्मू, 24 जुलाई । जम्मू-कश्मीर सरकार ने कठुआ स्थित ग्रिड स्टेशन की क्षमता को 3म50 मेगावाट से बढ़ाकर 4×50 मेगावाट करने के साथ-साथ संबद्ध अवसंरचना कार्यों के निष्पादन को भी मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 15.22 करोड़ है।

इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए विद्युत पारेषण नेटवर्क को सुदृढ़ करना है। यह वृद्धि पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार लाएगी, ओवरलोडिंग को कम करेगी और कठुआ एवं आसपास के क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि करेगी।

यह पहल जम्मू-कश्मीर की विद्युत अवसंरचना के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य क्षेत्र के आर्थिक विकास और उन्नति को समर्थन देते हुए विश्वसनीय, कुशल और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

एनएच-44 पर लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर पत्थर गिरने और भूस्खलन की ताजा घटनाएं

जम्मू, 24 जुलाई। लगातार बारिश के कारण उधमपुर और रामबन जिलों में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर कई स्थानों पर पत्थर गिरने और भूस्खलन की ताजा घटनाएं शुरू हो गई हैं जिससे वाहनों की आवाजाही के लिए खतरा पैदा हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि लगातार बारिश के कारण राजमार्ग के कई संवेदनशील हिस्सों पर पत्थर और मालवा गिरने जिससे यातायात का सुचारू प्रवाह प्रभावित हुआ है और यात्रियों के लिए सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं।अधिकारियों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सूचित कर दिया है और मलबे को हटाने और जल्द से जल्द यातायात की आवाजाही बहाल करने के लिए मशीनरी के साथ सड़क निकासी टीमों को प्रभावित स्थानों पर भेजा गया है। अधिकारियों ने यात्रियों को मौसम की स्थिति में सुधार होने और निकासी अभियान पूरा होने तक राजमार्ग पर अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

आतंकी हमले में शहीद पुलिसकर्मी के परिवार से मिले उपरायपाल, हर संभव मदद का दिया भरोसा

बडगाम, 24 जुलाई। उपरायपाल मनोज सिन्हा ने अनंतनाग में हुए आतंकी हमले में शहीद पुलिसकर्मी के घर जाकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें प्रशासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने शुक्रवार को बडगाम जिले के बीरवाह के लोलीपोरा इलाके में पुलिसकर्मी के परिवार को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन मजबूती से उनके साथ खड़ा है और उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा दिए गए सर्वोच बलिदान की भी सराहना की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उपरायपाल के साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, कश्मीर ज़ोन के पुलिस महानिरीक्षक वी.के. बिरदी, सेंट्रल कश्मीर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजीव ओमप्रकाश पांडे, बडगाम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद के.के. और बडगाम के उपायुक्त अतहर आमिर खान भी मौजूद थे।

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी कटरा - नई दिल्ली के बीच विशेष ट्रेन का संचालन

जम्मू, 24 जुलाई। यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से *उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल* द्वारा *श्री माता वैष्णो देवी कटरा - नई दिल्ली* के बीच एक विशेष आरक्षित ट्रेन संख्या 04678/04677 चलाने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष ट्रेन श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से नई दिल्ली व वापसी में नई दिल्ली से श्री माता वैष्णोदेवी कटरा एक ट्रिप के साथ संचालित की जाएगी। ट्रेन संख्या 04678 (श्री माता वैष्णो देवी कटरा - नई दिल्ली) दिनांक 25 जूलाई को चलाई जाएगी। ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी कटरा से प्रातः 09:40 बजे* प्रस्थान करेगी और रात्रि 21:40 बजे नई दिल्ली* पहुंचेगी।

वहीं वापसी में ट्रेन संख्या 04677 (नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटरा) भी दिनांक 25 जूलाई को चलेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से रात्रि 23:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 12:00 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी।

ट्रेन के ठहराव में शहीद कैप्टन तुषार महाजन, जम्मू

तवी, शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ, पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट, लुधियाना जं., अंबाला कैंट और पानीपत जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

विशेष ट्रेन के संचालन से तीर्थ यात्रियों और आम यात्रियों को भीड़भाड़ के कारण होने वाली असुविधा से राहत मिलेगी। इससे यात्रियों को श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नई दिल्ली के बीच सीधी एवं त्वरित कनेक्टिविटी भी प्राप्त होगी साथ ही इस ट्रेन से जम्मू, पठानकोट, लुधियाना, अंबाला जैसे मध्यवर्ती स्टेशनों के यात्रियों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी।

मंडलायुक्त जम्मू ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का शुभारंभ किया

जम्मू, 24 जुलाई। मंडलायुक्त जम्मू रमेश कुमार ने आज युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत *मेरा युवा भारत (माई भारत द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी अभियान 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के जम्मू संभागीय चरण का शुभारंभ किया।

मंडलायुक्त ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जोड़ने के लिए *माई भारत* के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अभियान और इससे जुड़े जिला स्तरीय कार्यक्रमों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों में शैक्षणिक संस्थानों, युवा संगठनों

तथा आम जनता की व्यापक भागीदारी होगी। उन्होंने युवाओं से *माई भारत* पोर्टल पर पंजीकरण कर प्रस्तावित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत *माई भारत* द्वारा आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जागरूकता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध संगठित करना है। अभियान के तहत केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में वाद-विवाद, भाषण, चित्रकला, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी, लोकगीत, लोकनृत्य तथा रील निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे और उन्हें नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाएंगे। वहीं, 14 अगस्त को आयोजित होने वाले नशा मुक्त युवा सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। माई भारत जम्मू-कश्मीर के राय निदेशक नितिन हंगलू ने अभियान का पोस्टर जारी करने के लिए मंडलायुक्त का आभार व्यक्त किया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं को नशामुक्त और विकसित भारत के निर्माण के लिए व्यापक स्तर पर जोड़ने की *माई भारत* की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत ने चीन के दावों को किया खारिज, कहा- भारत ने कभी नहीं किया चीन की संप्रभुता का उल्लंघन

नई दिल्ली, 24 जुलाई । विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि भारत किसी भी परिस्थिति में चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं करता और इस मुद्दे पर उसका रुख हमेशा एक समान रहा है। मंत्रालय ने चीन के भारतीय क्षेत्रों पर अपना अधिकार जमाने के दावों का खंडन किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संप्रभुता के मुद्दे पर सवाल उठाने का अधिकार वास्तव में भारत का है। चीन वर्ष 1963 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के भारतीय क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है। वहीं भारत ने कभी चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया और इस विषय पर उसकी नीति हमेशा स्पष्ट और सुसंगत रही है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत के दावों स्वयं चीन भी आधिकारिक रूप से स्वीकार कर चुका है। इसके बावजूद चीन जम्मू-कश्मीर के भारतीय क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाएं चला रहा है। इनपर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

अमरनाथ सहित सभी यात्राएं शनिवार को भी स्थगित रहेंगी, जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद

जम्मू, 24 जुलाई । जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम व लगातार हो रही बारिश की वजह से अमरनाथ यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोड़ी यात्रा और मचैल माता यात्रा शनिवार को भी नहीं शुरू हो पाई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए प्रशासन ने 19 जुलाई शनिवार शाम को ही इन यात्रों को रोक दिया था। जम्मू-श्रीनगर राष्टीय राजमार्ग भारी बारिश, भूस्खलन व पत्थर गिरने से आज लगातार तीसरे दिन भी बंद है और रामबन में अभी भी कईं गाड़ियां फंसी हुई है। रामबन व उमधमपुर में ताजा भूस्खलन होने से मार्ग पर पत्थर व मलवा जमा हो गया है, जिसे हटाने के लिए मशीनरी के साथ सड़क निकासी टीमों को प्रभावित स्थानों पर भेजा गया है और मलबा हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों को मौसम की स्थिति में सुधार होने और निकासी अभियान पूरा होने तक राजमार्ग पर अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। यात्रियों से एनएच-44 पर कोई भी यात्रा करने से पहले आधिकारिक यातायात सलाह का पालन करने का भी आग्रह किया गया है। प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है, क्योंकि पूरे क्षेत्र में रुक-रुक कर बारिश जारी है। संवेदनशील इलाकों में अधिक पत्थर गिरने और भूस्खलन की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में सातवें दिन भी मूसलाधार बारिश के कारण घाटी के कई हिस्सों में झेलम खतरे के निशान के करीब बह रही है। इससे बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। तवी, चिनाब, संगम, लिद्दर सहित अन्य नदी-नाले भी खतरे के निशान के थोडा बहुत ही नीचे बह रहे हैं। जम्मू के क्षेत्रों और दक्षिण कश्मीर में ज़ोरदार बारिश हो रही है। मौजूदा संकेतों के अनुसार बारिश के देर दोपहर तक जारी रहने की संभावना है। जम्मू और दक्षिण कश्मीर में मध्यम से भारी बारिश होने की उम्मीद है। इसी दौरान मध्य और उत्तरी कश्मीर में हल्की बारिश हो सकती है। देर दोपहर बाद यादातर जगहों पर मौसम में सुधार होने की उम्मीद है।

सुकून और सुंदरता का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

भिनी नदी में फ्लैश फ्लड–पुलिस एसडीआरएफ की त्वरित कार्रवाई, दो लोगों की जान बची

कठुआ, 24 जुलाई (हि.स.)। जिला कठुआ के बिलावर क्षेत्र में भिनी नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से फंसे दो व्यक्तियों को जम्मू–कश्मीर पुलिस और एसडीआरएफ ने संयुक्त अभियान चलाकर सुरक्षित बचा लिया। दोनों व्यक्ति सुबह के समय नदी के पास गए थे तभी अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और वे नदी के बीच फंस गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना बिलावर की टीम मौके पर पहुंची। यह अभियान एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण तथा एसपी ऑप्स अपर कठुआ और एसडीपीओ बिलावर नीरज पड्यार की निगरानी में चलाया गया। एसडीआरएफ टीम भी तुरंत मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई।

टीम ने कड़ी मेहनत और सूझबूझ से दोनों व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों को बिना किसी चोट के सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने इस सफल अभियान के लिए सभी टीमों की तत्परता और समन्वय की सराहना की है। जिला पुलिस कठुआ ने आम जनता से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान नदी–नालों के पास जाने से बचें और सावधानी बरतें ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

कश्मीर घूमने आए यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन

जम्मू, 24 जुलाई 2026

भारी बारिश और खराब मौसम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित होने से कश्मीर घाटी में फंसे यात्रियों को राहत देने के लिए उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल ने आज 24 जुलाई 2026 को विशेष ट्रेनें चलाईं।

ट्रेन के विवरण व समय–सारणी पर बात करें, तो आज दिनांक 24 जूलाई को दोपहर 13:45 बजे संगदान SGDN से एक विशेष ट्रेन चली। यह ट्रेन बनिहाल BAHL और अनंतनाग ANT में ठहराव करते हुए शाम 16:40 बजे श्रीनगर SINA पहुंची।

वापसी में यही ट्रेन शाम 17:00 बजे श्रीनगर से चली। यह बनिहाल में रुकते हुए रात्रि 20:15 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा SVDK पहुंचेगी।

साथ ही ट्रेन संख्या 74620 को संगलदान से बढ़ाकर श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलाया गया है।

इन विशेष ट्रेनों से 1500 से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। इन ट्रेनों के चलने से यात्रियों को सुरक्षित और जल्दी यात्रा की सुविधा मिली।

सड़क बंद होने की स्थिति में रेलवे यात्रियों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बना

और यात्री समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सके। इससे पहले भी दिनांक 23 जूलाई को श्रीनगर से श्री माता वैष्णोदेवी कटरा तक विशेष ट्रेन का संचालन किया गया था।

इस विशेष सुविधा के तहत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने कहा, द्वफ्रकि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। खराब मौसम और सड़क बंद होने के कारण यात्रियों को परेशानी न हो, इसलिए हमने तुरंत विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला लिया। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले हृअश्वरु ऐप, IRCTC वेबसाइट या 139 हेल्पलाइन से ट्रेन की जानकारी जरूर ले लें।

यात्रियों की सेवा करना जम्मू मंडल की निरंतर प्रतिबद्धता है।

भारी बारिश से हुए नुकसान पर पीडीएफ ने जताई चिंता, प्रभावितों को मुआवजा देने की मांग

जम्मू, 24 जुलाई (हि.स.)। जम्मू–कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हकीम मोहम्मद यासीन ने हालिया भारी बारिश और फ्लैश फ्लड से कश्मीर विशेषकर बडगाम जिले के बीरवाह क्षेत्र में हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मूसलाधार बारिश से कई रिहायशी मकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कृषि भूमि और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है जिससे बड़ी संख्या में परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

हकीम यासीन ने विशेष रूप से बीरवाह के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा अन्य निजी संपत्तियों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे अनेक लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा **श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** के बीच एक विशेष रेलगाड़ी संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है।

04678/04677 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा विशेष

रेलगाड़ी सं. 04678		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04677	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	09:40	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	12:00	---
10:05	10:07	शहीद कप्तान तुषार महाजन	11:10	11:12
11:25	11:27	जम्मू तवी	09:15	09:25
12:40	12:42	शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ	07:48	07:50
13:20	13:25	पठानकोट छावनी	07:15	07:20
15:25	15:30	जलंधर छावनी	05:22	05:27
16:20	16:30	लुधियाना जं.	04:15	04:20
18:25	18:35	अम्बाला छावनी	02:30	02:40
19:40	19:42	पानीपत जं.	00:58	01:00
21:40	----	नई दिल्ली	---	23:45

चलने के दिन: **04678 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से** और **04677 नई दिल्ली से** दिनांक 25.07.2026 को।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता,

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2571/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ऑपरेशनल तैयारी को बेहतर बनाने के लिए एनएच–44 पर लंबी दूरी की पेट्रोलिंग और मॉक ड्रिल

सांबा, 24 जुलाई (हि.स.)। नेशनल हाईवे–44 पर सुरक्षा की तैयारी को मजबूत करने और चौकसी बढ़ाने के मकसद से एक अहम पहल के तहत सांबा पुलिस ने बड़े पैमाने पर लंबी दूरी की पेट्रोलिंग और टैक्टिकल मॉक ड्रिल की। सुरक्षा अभ्यास की शुरुआत एनएचडब्लू पर जटवाल से टप्याल तक 6.5 किलोमीटर लंबी दूरी की पेट्रोलिंग के साथ हुई। पेट्रोलिंग टीम का नेतृत्व एडिशनल एसपी सांबा ने किया और इसमें डीएसपी एसओजी सांबा, एसएचओ पुलिस स्टेशन घगवाल, एडिशनल एसपी के तहत क्विक रिस्पॉन्स टीम के जवान और आरओपी ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी शामिल थे।

जम्मू विश्वविद्यालय के सीडीओई में रक्तदान शिविर आयोजित, युवाओं ने बढ़–चढ़कर किया रक्तदान

जम्मू, 24 जुलाई (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) की एनएसएस यूनिट–5 ने यंग ब्लड एसोसिएशन (वाईबीए) के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना तथा समाज में मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम के दौरान सीडीओई के निदेशक प्रो. पंकज के. श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि, अतिथियों, स्वयंसेवकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और रक्तदाताओं का स्वागत करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों और समाज में संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

मुख्य अतिथि प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की निदेशक नेहा जलाली ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान अनेक जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। उन्होंने सीडीओई और यंग ब्लड एसोसिएशन के संयुक्त प्रयासों की भी प्रशंसा की यंग ब्लड एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सतवंत सिंह रिस्सम ने शिविर में मिले उत्साहजनक सहयोग पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे श्रेष्ठ जनसेवा कार्यों में से एक है। वहीं एसोसिएशन के चेयरमैन अनिल पढ़ा ने रक्तदान को मानवता की सेवा का सशक्त माध्यम बताते हुए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नंदी चूल में भूस्खलन पीड़ितों से मिले मंत्री राणा, हर संभव मदद का भरोसा

पुंछ, 24 जुलाई (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने शुक्रवार को तहसील मंडी के ब्लॉक लोरन स्थित दूरदराज नंदी चूल क्षेत्र का दौरा कर हालिया भूस्खलन व फ्लैश फ्लड से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस आपदा में कई लोगों की जान चली गई थी। मंत्री राणा ने शोकाकुल परिवारों को सांत्वना देते हुए गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि सरकार इस कठिन समय में पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्थिति का जायजा लेते हुए मंत्री ने जिला प्रशासन को तत्काल राहत, उचित पुनर्वास और मृतकों के परिजनों को राहत राशि शीघ्र देने के निर्देश दिए। साथ ही नुकसान का आकलन कर जरूरी सेवाओं की जल्द बहाली सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित विभागों को मानसून के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में एहतियाती कदम उठाने के निर्देश भी दिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से जान–माल का नुकसान रोका जा सके।

निराश्रित बुजुर्गों की पहचान को लेकर जागरूकता अभियान, जरूरतमंद परिवारों को बांटी राशन किट

जम्मू, 24 जुलाई (हि.स.)। 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के ऐसे निराश्रित एवं असहाय वरिष्ठ नागरिकों की पहचान कर उन्हें संरक्षण और देखभाल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम अम्फल्ला, जम्मू द्वारा राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, कोटली भगवान सिंह (आरएस पुरा) में जन–जागरूकता एवं राशन किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वृद्धाश्रम के सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता ने किया। इस दौरान संयुक्त सचिव विजय गुप्ता, प्रबंध समिति सदस्य सतपाल शर्मा और सरदार राजिंदर सिंह तथा समाजसेवी प्रमोद कुमार ने भी सहयोग दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. दिनेश गुप्ता ने कहा कि समाज में कई वरिष्ठ नागरिक ऐसे हैं जो अकेले और असहाय जीवन जी रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई ऐसा बुजुर्ग है जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है तो उसकी जानकारी वृद्धाश्रम को दें ताकि उसे सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि वृद्धाश्रम में पात्र वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क आवास, भोजन, चिकित्सा सुविधा, नर्सिंग देखभाल, फिजियोथेरेपी और पारिवारिक माहौल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

मुख्य अतिथि एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) आरएस पुरा अतीक्षा सेठी ने

महिलाओं, बच्चों, विधवाओं, पोषण एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से इनका लाभ उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने बच्चों की नियमित शिक्षा के लिए उन्हें आंगनवाड़ी केंद्रों और सरकारी विद्यालयों में भेजने पर भी बल दिया।विद्यालय की प्रधानाचार्या ने वृद्धाश्रम की इस पहल की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि विद्यालय प्रशासन क्षेत्र में रहने वाले निराश्रित वरिष्ठ नागरिकों की पहचान में हरसंभव सहयोग करेगा। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री से युक्त राशन किट वितरित किए गए। डॉ. दिनेश गुप्ता ने बताया कि ये किट समाजसेवियों, दानदाताओं और शुभचिंतकों के सहयोग से प्राप्त सामग्री से तैयार कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई गईं।

कठुआ में जिला बैडमिंटन टूर्नामेंट 25 जुलाई से, 200 से अधिक खिलाड़ी लेंगे भाग

कठुआ, 24 जुलाई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने 25 जुलाई 2026 से इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में आयोजित होने जा रहे जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं। यह टूर्नामेंट जिला प्रशासन कठुआ द्वारा नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर अभियान के तहत आयोजित किया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने का प्रभावी माध्यम हैं और इस तरह के आयोजन स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। टूर्नामेंट में अंडर–14, अंडर–19, पुरुष महिला और वेटरन वर्गों में 200 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।

जम्मूऔर कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश
वन, पर्यावरण एवं पारिस्थिति की विभाग
कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी
बसोहली वन प्रभाग, बसोहली
दूरभाष- 01921-251050

Union Territory of Jammu and Kashmir
Forest Environment and Ecology Department
Office of the Divisional Forest Officer
Basohli Forest Division, Basohli
Ph./fax No. 01921-251050

Subject: Retender of work.

"CORRIGENDUM"

The work published under following e-NIT of Basohli Forest Division published are hereby Retender due to poor response of bidders. The detail is as under

S.No	Tender ID	Tender Title/Tender Ref No.	Bid Opening Date	No.of Valid Bids
1.	2026_FD_316548_1	Establishment of Closure and other allied works including its maintenance through beating-up of casualty (BUC) for next three years in Co.32Blr at Kund of Mahanpur Forest Range, to achieve and maintain the prescribed survival standards up to 30th Au/10 of 2026-27	24-Jul-2026 02:00 PM	0
2.	2026_FD_315230_2	Establishment of Closure and other allied works including its maintenance through beating-up of casualty (BUC) for next three years in Co.27Bsl of Basohli Forest Range, to achieve and maintain the prescribed survival standards up to 30th August of t/07 of 2026-27	23-Jul-2026 02:00 PM	0
3.	2026_FD_315230_3	Establishment of Closure and other allied works including its maintenance through beating-up of casualty (BUC) for next three years in Co.25Bsl at Jated of Basohli Forest Range, to achieve and maintain the prescribed survival standards up to 30th A/07 of 2026-27	23-Jul-2026 02:00 PM	0
4.	2026_FD_315230_1	Establishment of Closure and other allied works including its maintenance through beating-up of casualty (BUC) for next three years in Co.30Blr at Khunnu of Mahanpur Forest Range, to achieve and maintain the prescribed survival standards up to 30th /07 of 2026-27	23-Jul-2026 02:00 PM	0

Critical Dates:
Bid submission Start Date 24-07-2026 at 09:00 AM
Bid submission End Date 29-07-2026 at 09:00 AM
Date of opening of Technical Bid (online) 29-07-2026 at 03.00 PM
The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities, (B.O.Q), Set of Terms & Conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental Website: - www.jktenders.gov.in
No. DFO/BSL/2026-27/, dated: 23-07-2026.

Copy submitted to the: -
1. Joint Director Information, Jammu for publication in at least 3 English/Hindi/Urdu Daily Newspaper please.
2. Conservator of Forests, East Circle, Jammu for information please.
3. Concerned Range Forest Officer for information.

Sd/-
Divisional Forest Officer
Basohli Forest Division
Basohli

DIP/J-6499/26
Dtd: 24-7-2026

श्री गुरु रविदास सभा ने जंतर–मंतर प्रदर्शन पर कार्रवाई पर जताई चिंता

जम्मू, 24 जुलाई (हि.स.)। ऑल जम्मू एंड कश्मीर श्री गुरु रविदास सभा (पंजीकृत), मुख्यालय कृष्णा नगर ने शुक्रवार को अध्यक्ष इंजीनियर आर. सी. भसीन के नेतृत्व में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की। सभा ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने वाले छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ बल प्रयोग की खबरें चिंताजनक हैं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए इंजीनियर आर. सी. भसीन ने

कहा कि नागरिकों को संविधान के दायरे में रहकर शांतिपूर्वक अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करने और ऐसे मामलों को संवेदनशीलता के साथ देखने की अपील की।

सभा के प्रवक्ता प्रो. सी. एल. शिवगोत्रा ने कथित पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने नीट परीक्षा से जुड़े पेपर लीक विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से विद्यार्थियों में असमंजस और चिंता का माहौल बनता है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं आयोजित करने वाली एजेंसियों से परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और गोपनीयता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर तरसेम लोच ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लोकतांत्रिक अधिकार की रक्षा पर जोर देते हुए सरकार से आग्रह किया कि छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान संवाद और निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से किया जाए। सभा ने भी संबंधित अधिकारियों से अपील की कि छात्रों की चिंताओं का पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। प्रेस वार्ता में सुरजीत सिंह हीर, तारा चंद, कुलदीप थापा, अजीत बस्सोन सहित सभा के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। अंत में सभा ने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के समर्थन को दोहराते हुए सरकार से छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों की चिंताओं के समाधान के लिए रचनात्मक कदम उठाने की अपील की।

पुलिस ने 206 खोए हुए मोबाइल फोन किए बरामद

रियासी, 24 जुलाई (हि.स.)। साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी में रियासी पुलिस ने 206 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं और 2026 में साइबर धोखाधड़ी का शिकार हुए लोगों के 33.49 लाख का पता लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि रियासी साइबर पुलिस स्टेशन ने स्थानीय निवासियों के साथ–साथ श्री माता वैष्णो देवी मंदिर और शिव खोड़ी मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के 206 खोए हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए। बरामद मोबाइल फोन को जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके असली मालिकों को सौंपा जा रहा है।

संपादकीय

उफनती तवी और जम्मू के रिवरफ्रंट का भविष्य

तवी नदी में जलस्तर की वर्तमान स्थिति ने एक बार फिर तवी रिवरफ्रंट परियोजना की व्यवहारिकता पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। अमरनाथ यात्रा समाप्त होने तक तवी नदी में नौकायन सुविधा उपलब्ध कराने की योजना के विपरीत फिलहाल नौका संचालन बंद कर दिया गया है। नदी की मौजूदा खतरनाक स्थिति को देखते हुए मानसून के दौरान इसकी अनिश्चित प्रवृत्ति के कारण इस सुविधा को दोबारा शुरू करना उचित नहीं होगा। तवी के जल प्रवाह की अनिश्चितता को देखते हुए अब संबंधित प्राधिकरण के लिए अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना आवश्यक हो गया है।

देश के कई अन्य स्थानों पर विकसित किए गए रिवरफ्रंट परियोजनाओं की तुलना में तवी नदी का मामला अलग है। अधिकांश स्थानों पर कृत्रिम सहायक जलधाराओं और नियंत्रित जल प्रवाह प्रणाली के माध्यम से रिवरफ्रं ट विकसित किए गए हैं, जबकि तवी रिवरफ्रंट का निर्माण सीधे नदी के भीतर किया गया है। ऐसे में जलस्तर को नियंत्रित करना कठिन हो जाता है और विशेषकर जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के दौरान यह स्थिति अधिक खतरनाक बन जाती है। यह स्पष्ट रूप से परियोजना की एक बड़ी कमी है। इसलिए इस समस्या का समाधान खोजने और तवी नदी को पूरे वर्ष पर्यटन के लिए उपयुक्त बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक अध्ययन कराया जाना चाहिए।

मौजूदा हालात ने निश्चित रूप से नीति-निर्माताओं को इस बात पर विचार करने के लिए मजबूर किया होगा कि क्या तवी रिवरफ्रंट परियोजना की योजना बनाते समय मौसमी बाढ़ और पर्यावरणीय परिस्थितियों का पर्याप्त आकलन किया गया था। वास्तविकता यह है कि जलवायु परिवर्तन ने पारंपरिक मौसम चक्र को बदल दिया है। लगातार हो रहे बादल फटने की घटनाओं, अत्यधिक वर्षा और अचानक आने वाली बाढ़ ने नदी के व्यवहार संबंधी पुराने आकलनों को अविश्वसनीय बना दिया है।

तवी रिवरफ्रंट परियोजना से जुड़े सभी पक्षों को अब इसकी रूपरेखा की पुनः समीक्षा करनी चाहिए और ऐसा स्थायी समाधान तलाशना चाहिए जिससे यह परियोजना बाढ़ के प्रभाव से सुरक्षित रह सके तथा आसपास रहने वाले लोगों की जान-माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। शहरी विकास योजनाकारों को यह समझना होगा कि विकास तभी सार्थक है जब वह सुरक्षा, आधुनिक तकनीक और पर्यावरणीय संतुलन के साथ आगे बढ़े। तवी नदी में वर्तमान बाढ़ की स्थिति को केवल एक चेतावनी के रूप में नहीं, बल्कि समय रहते कमियों को दूर करने के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए, ताकि भविष्य में यह समस्या और अधिक गंभीर रूप न ले।

समय की मांग है कि विशेषज्ञों की सलाह लेकर इस परियोजना की दोबारा समीक्षा की जाए और ऐसे व्यावहारिक समाधान लागू किए जाएं, जिनसे यह परियोजना पूरे वर्ष पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रहे तथा किसी भी प्रकार के जोखिम और खतरे से मुक्त हो। यह निश्चित है कि यदि दूरदर्शिता, तकनीकी मजबूती और सकारात्मक सोच के साथ इस परियोजना में आवश्यक सुधार किए जाएं, तो तवी रिवरफ्रंट सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन से समझौता किए बिना पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए एक सुरक्षित, आकर्षक और सफल पर्यटन स्थल बन सकता है।

महाराष्ट्र की दिंडी यात्रा का मध्यप्रदेश से सम्बन्ध

– गिरीश जोशी

इस समय पूरे देश में भक्तिमय वातावरण दिखाई दे रहा है । हाल ही में जगन्नाथ पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हुई । देश में भक्ति आंदोलन की परंपराओं में से एक आषाढ़ एकादशी पर भगवान विट्ठल के दर्शन हेतु पहुंचने वाली दिंडी यात्राएं भी महाराष्ट्र में शुरू हो गयी हैं। इस यात्रा की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। लाखों लोग इस यात्रा में हर साल शामिल होते हैं ।

महाराष्ट्र में आषाढ़ मास की एकादशी के अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के विट्ठल स्वरूप के दर्शन करने के लिए पंढरपुर पहुंचते हैं। पंढरपुर की इस यात्रा को वारि कहा जाता है। इस यात्रा में सभी भक्त पूज्य संतों के स्थान से उनकी पवित्र चरण पादुकाओं को पालकी में रख कर पैदल निकल पड़ते हैं। उसके आगे संतों द्वारा रचित अभंगों का गायन करते हुए वारकरी भक्त चलते हैं। इस शोभा यात्रा को दिंडी कहा जाता है।

वारकरी संप्रदाय की एक विलक्षण आचार पद्धति है। जिसमें सभी बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे के चरण छूते हैं। वे मानते हैं कि सभी प्राणियों के भीतर एक ही ईश्वर का अंश है। इसलिए वह आपस में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखते हैं। आज जब समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयोग किए जा रहे हैं ऐसे समय में संत ज्ञानेश्वर महाराज द्वारा लगभग आठ सौ वर्ष पूर्व शुरू किया गया यह प्रयोग आज भी सफल है, निरंतर चल रहा है।

विगत आठ-नौ सौ वर्षों में वारकरी परंपरा का अनुसरण करते हुए अनेक बड़े-बड़े संत हुए हैं। खास बात यह है कि ये सभी संत समाज के अलग-अलग घटकों से निकले हैं, संत ज्ञानेश्वर द्वारा शुरू की गई इस परंपरा का अनुसरण करते हुए जिसमें खासतौर पर संत तुकाराम, संत एकनाथ, संत चोखा मेला, सन्त गोरा कुंभार, संत सेन महाराज, संत सावता माली, संत नरहरी सोनार जैसे संत हुए हैं ।

वारकरी संप्रदाय की एक विलक्षण आचार पद्धति है। जिसमें सभी बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे के चरण छूते हैं। वे मानते हैं कि सभी प्राणियों के भीतर एक ही ईश्वर का अंश है। इसलिए वह आपस में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखते हैं।

आज जब समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयोग किए जा रहे हैं ऐसे समय में संत ज्ञानेश्वर महाराज द्वारा लगभग आठ सौ वर्ष पूर्व शुरू किया गया यह प्रयोग आज भी सफल है, निरंतर चल रहा है।

जिस संत की समाधि पंढरपुर से जितनी दूरी पर है उतनी दूरी को पैदल चलकर पूरा करने में जितना समय लगता है उस समय के आधार पर दिंडी यात्राएं संतों के समाधि मंदिरों से निकलना शुरू होती है। सभी वारकरी भक्त अपने साथ केवल रोजमर्रा के लिए काम आने वाला सामान जैसे कुछ कपड़े, सहारे के लिए लकड़ी आदि लेकर चलते हैं। पूरे दिंडी मार्ग पर समाज द्वारा उनके भोजन, आवास आदि की व्यवस्था की जाती है, ये क्रम परपरागत रूप से अनेक वर्षों से चला आ रहा है ।

कुछ वर्षों पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने निर्मल वारी के नाम से एक सफल प्रयोग शुरू किया। इस यात्रा में लाखों की संख्या में भक्तजन एक ही निर्धारित मार्ग से चलते हैं, इसलिए मार्ग में किसी प्रकार का कचरा ना हो, गंदगी ना हो, प्रातः कालीन विधि के दौरान उत्सर्जित होने वाले मल का समुचित निस्तारण हो इसके लिए संघ के स्वयंसेवकों ने एक बड़ा अभियान चलाया जिसे बड़ी सफलता मिली है ।

वर्तमान दिंडी यात्रा के स्वरूप का मध्यप्रदेश से संबंध है। मध्यप्रदेश में तत्कालीन सिंधिया स्टेट में हैबत राव पवार एक सेना अधिकारी थे, वे भगवान विट्ठल के अनन्य भक्त थे, संत ज्ञानेश्वर पर उनकी बड़ी निष्ठा और श्रद्धा थी। जब वे सेवानिवृत हुए तब उन्होंने पुनः अपने जन्म स्थान महाराष्ट्र में अरफल जाने की इच्छा महाराज के सामने रखी। महाराज ने उन्हें बड़ी धनराशि और सोने चांदी के जेवर आदि देकर सम्मान के साथ विदा किया।

रास्ते में एक स्थान पर जनजाति समुदाय की एक टोली ने उनका रास्ता रोका, धन संपत्ति को लूट लिया। इस झड़प में उनके साथ चल रहे अनेक सैनिक भी मारे गए। हैबत राव को एक गुफा में बंद कर दिया गया। जब वह गुफा में बंद थे तब उन्हें लगा कि अब यहीं उनका अंत होने वाला है। उन्होंने भगवान विट्ठल की प्रार्थना और संत ज्ञानेश्वर को हृदय की गहराई से पुकार लगना शुरू किया। ऐसा कहा जाता है कि संत ज्ञानेश्वर ने उस टोली के मुखिया की पत्नी को जिसे लंबे समय से संतान नहीं हो रही थी, के स्वप्न में आकर कहा कि यदि तूम मेरे इस भक्त को छोड़ देते हो तो तुम्हें संतान प्राप्ति होगी। उसने ये बात अपने मुखिया पति को बताई। टोली ने हैबत राव को छोड़ दिया। लेकिन इस बात का हैबत राव जी के मन पर बड़ा परिणाम हुआ और उन्होंने अपने गांव अरफल न जाते हुए संत ज्ञानेश्वर की संजीवन समाधि आळंदी जाने का निश्चय किया।

यहां उन्होंने संत ज्ञानेश्वर की समाधि मंदिर की आजीवन सेवा की। सेना में रहने के कारण वे हर काम बड़े अनुशासन और व्यवस्थित पद्धति तरीके से करने के आदी थे। हर साल निकलने वाले दिंडी यात्रा के स्वरूप को देखकर उसे ज्यादा व्यवस्थित, अनुशासित और क्रमबद्ध करने का विचार उनके मन में आया ।

इसके लिए उन्होंने 1832 में दिंडी यात्रा के लिए भक्तों के चलने का क्रम तय किया। सबसे आगे भगवा ध्वज, बड़े मंजीरे जिन्हें मराठी में टाळ कहते हैं, फिर तंबोरा वादक, पालकी जिसमें संतों की चरण पादुकाएं रहेगी और पीछे सभी वारकरी भक्ति चलेंगे ये क्रम बनाया।

इस यात्रा को शाही स्वरूप देने के लिए उन्होंने बेलगांव के सरदार शितोले से अनुरोध किया। उन्होंने पालकी को शाही स्वरूप देने के लिए रेशमी वस्त्र, हाथी और घोड़े और अनेक साजो सामान देना शुरू किया। आज लगभग 196 वर्षों के बाद भी दिंडी इसी स्वरूप में चलती हुई दिखाई देती है। हैबत राव के इस अनुपम कार्य के कारण आज श्रद्धालु उनको हैबत बाबा के नाम से याद करते हैं।

होलकर रियासत के जागीरदार श्री विसाजी लाम्भाते भगवान विट्ठल के परम भक्त थे और हर साल महाराष्ट्र के पंढरपुर की वारि में जाते थे। एक बार किसी कारण वे पंढरपुर नहीं जा सके, जिससे वे बड़े दुखी हुए। कहा जाता है उसी रात भगवान विट्ठल ने उनके स्वप्न में आकर दर्शन दिए और कहा कि वे स्वयं उनके पास आ चुके हैं और पास के ही एक कुंड में हैं। स्वप्न में दिखे स्थान से भगवान विट्ठलनाथ की स्वयं स्वयंभू मूर्ति को निकाला गया।

पंढरपुर की तरह इंदौर में भी कान्ह और सरस्वती नदी के संगम के पास एक ऐसे स्थान को चुना गया जहाँ नदी अर्धचंद्राकार में मुड़ती है। इस कारण इंदौर के इस क्षेत्र को %चंद्रभागा% कहा जाने लगा। यहाँ भगवान् विट्ठल जिन्हें पंढरीनाथ भी कहा जाता है के भव्य मंदिर का निर्माण महाराजा मल्हार राव होलकर द्वितीय के शासनकाल के दौरान 1811 से 1833 के बीच करवाया गया ।

इंदौर के शुकदेव शास्त्रीजी ने 1944 में दिंडी यात्रा शुरू की। इसी प्रकार से 1949 में श्री बापुराव धनावडे ने भी एक दिंडी यात्रा इंदौर में शुरू की। ये यात्राएं आज भी निकलती है। वर्ष 2006-07 में माधव राव सदाशिव राव गोलवलकर (श्री गुरुजी) की जन्मशताब्दी वर्ष में समाज में समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम हो रहे थे। इसे कड़ी में दिंडी यात्रा को बड़ा स्वरुप देने का विचार कर समग्र मराठी समाज, मध्यप्रदेश मंच बनाकर बड़े पैमाने पर इंदौर में दिंडी यात्रा शुरू हुई। आगे चलकर ये यात्रा 2010 में भोपाल, 2013 में छिंदवाड़ा, 2015 में जबलपुर और गत वर्ष से उज्जैन में भी शुरू हुई है। मध्यप्रदेश में पंढरपुर की तर्ज पर ये यात्राएं निकाली जा रही हैं। इस तरह महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने की एक मुख्य कड़ी साबित हो रही है।

(लेखक संस्कृति अध्येता और स्तंभकार हैं)

कैट ने भंडार आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति का किया स्वागत

नई दिल्ली, 24 जुलाई । कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को भारत में निर्मित अथवा उत्पादित वस्तुओं के निर्यात के लिए इन्वेंट्री (स्टॉक) रखने की अनुमति देने के निणर्य को एक स्वागतयोग्य और दूरदर्शी कदम बताया है। साथ ही इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों को जरूरी भी बताया है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को कहा कि यह दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात तंत्र को सशक्त बनाने, 卐मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड卐 अभियान को गति देने तथा भारतीय निर्माताओं, एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित करने के विजन के अनुरूप है। सरकार ने केवल निर्यात के लिए भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति दी है।

खंडेलवाल ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य का पूर्ण समर्थन किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि इस प्रावधान को उसके मूल उद्देश्य और भावना के अनुरूप लागू किया जाए तथा इसका दुरुपयोग घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार के लिए पिछले दरवाजे के रूप में न हो, क्योंकि वर्तमान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के तहत विदेशी कंपनियों को घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार की अनुमति नहीं है। खंडेलवाल ने पारदर्शिता, जवाबदेही और नीति के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए हैं--

खंडेलवाल ने कहा कि निर्यात के उद्देश्य से इन्वेंट्री रखने की अनुमति किसी भी विदेशी कंपनी को ऑटोमैटिक रूट के तहत नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा कंपनी की व्यवसाय योजना की विस्तृत जांच करने तथा यह बाध्यकारी आश्वासन प्राप्त करने के बाद ही अनुमति दी जानी चाहिए कि इन्वेंट्री का उपयोग केवल निर्यात गतिविधियों के लिए होगा और घरेलू बी2सी व्यापार के लिए नहीं।

विदेशी कंपनियों के स्वामित्व वाली निर्यात इन्वेंट्री को केवल भौतिक रूप से अलग और कस्टम-बॉन्डेड गोदामों में रखा जाना चाहिए, ताकि उसकी पूर्ण ट्रैकिंग सुनिश्चित हो सके और घरेलू बाजार में किसी भी प्रकार के विचलन को रोका जा सके।

डीपीआईआईटी और डीजीएफटी के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा प्रत्येक तिमाही में निरीक्षण और ऑडिट किया जाना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन्वेंट्री का उपयोग केवल निर्यात के लिए हो रहा है और उसका कोई हिस्सा घरेलू बी2सी व्यापार में नहीं जा रहा है।

पारदर्शिता और जनविश्वास को बढ़ाने के लिए ऑडिट रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही में डीपीआईआईटी तथा संबंधित ई-कॉमर्स कंपनी की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रकाशित की जानी चाहिए।

यदि कोई कंपनी ऑडिट कराने से इनकार करती है, आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराती है अथवा घरेलू बी2सी बिक्री के लिए इन्वेंट्री के दुरुपयोग का कोई प्रमाण मिलता है, तो उसकी अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी जानी चाहिए तथा एफडीआई नीति और अन्य लागू कानूनों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

कैट महामंत्री खंडेलवाल ने कहा कि ये उपाय इस नीति के वास्तविक उद्देश्य, भारत के निर्यात को गति देने को प्राप्त करने में सहायक होंगे, साथ ही देश की एफडीआई नीति की पवित्रता बनाए रखेंगे और घरेलू व्यापार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को भी सुनिश्चित करेंगे।

वैश्विक दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 24 जुलाई । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी और कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर के लिए लिवाली का जोर भी बनाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया। हालांकि लिवाली का यह दौर अधिक देर तक टिक नहीं सका। थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने दोबारा दबाव बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.16 प्रतिशत और निफ्टी 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से सिप्ला, एचसीएल टेक्नोलॉजी, नेस्ले, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 2.56 प्रतिशत से लेकर 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एवियेशन, भारती एयरटेल, एटरनल और बजाज फाइनेंस के शेयर 2.78 प्रतिशत से लेकर 2.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,732 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 545 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,187 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में था। दूसरी ओर 29 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से चार शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

सीजेपी का प्रदर्शन, क्या अपने मूल उद्देश्य से भटक गया ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देश में जब 'नीट' प्रश्नपत्र लीक का मामला सामने आया तो स्वाभाविक रूप से लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों में गहरा आक्रोश उत्पन्न हुआ। यह उन युवाओं के भविष्य का प्रश्न था जिन्होंने वर्षों की मेहनत, आर्थिक संसाधन और मानसिक ऊर्जा इस परीक्षा की तैयारी में लगाई थी। ऐसे समय में छात्रों का शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतंत्र की स्वाभाविक अभिव्यक्ति माना जा सकता है।

वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में छात्रों को अपनी बात रखने, सरकार से जवाब मांगने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करने का पूरा अधिकार है, किन्तु दिल्ली में पिछले दिनों में जो घटा है, उसे देखने के बाद यह प्रश्न उठने लगा है कि क्या यह आंदोलन अभी भी छात्रों के भविष्य और शिक्षा सुधार को लेकर हो रहा है?

जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के अनेक दृश्य, वहां उठ रहे विभिन्न प्रकार के नारे, अलग-अलग राजनीतिक और वैचारिक संगठनों की बढ़ती सक्रियता तथा शिक्षा से असंबंधित मुद्दों की प्रमुखता ने इस आंदोलन की दिशा और उद्देश्य पर गंभीर बहस खड़ी कर दी है।

इसी संदर्भ में जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन को लेकर अनेक वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक चर्चाएं सामने आ रहे हैं। इनमें कुछ स्थानों पर ऐसे नारे सुनाई देने के दावे किए गए जिनका हृश्वश्वञ्ज, परीक्षा सुधार या शिक्षा व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष संबंध दिखाई नहीं देता।

यदि वास्तव में किसी प्रदर्शन में 卐आरएसएस मुर्दाबाद卐, 卐ब्राह्मण मुर्दाबाद卐, 卐हम हिंदू नहीं हैं卐, अथवा किसी देवी-देवता के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां जैसे नारे लगाए गए हों, तो यह साफ दर्शाता है कि आन्दोलन के नाम पर वास्तविकता में जंतर-मंतर भी हिन्दू विरोध और सनातन धर्म को टार्गेट किया जा रहा है। कुछ नारे तो बेहद ही आपत्ति जनक हैं, जिन्हें यहां लिखने के लिए भी हिम्मत चाहिए, किंतु आप सभी को सच से अवगत कराना भी जरूरी है, इसलिए आप स्वयं पढ़ें और विचार करें कि आखिर इस आन्दोलन को कौन लोग चला रहे हैं!

ये कथित नारे हैं; सीता का पति क्या कर लेगा। भगवान भी मोदी की तरह ... है, जब चाहे मौसम बदल देता है। नाम रहेगा अल्लाह का। प्रेमानंद महाराज नहीं हैं। हम हिंदू नहीं हैं, हमें हिंदू मत कहो। भारत तेरे टुकड़े होंगे। अब विचार करें कि इन नारों को सुनकर या पढ़कर किस देशभक्त को आक्रोश नहीं आएगा? सच्चायी तो यही है कि ऐसे नारे न सिर्फ आंदोलन के घोषित उद्देश्य से परे हैं, बल्कि ये समाज में अनावश्यक वैमनस्य भी उत्पन्न करते हैं।

इसी प्रकार, यदि मंच पर महिलाओं के आरक्षण, किसानों के आंदोलन अथवा अन्य राजनीतिक विषय प्रमुख होने लगें, तो इससे यह संदेश जाना स्वभाविक है कि छात्र आंदोलन अब अनेक अलग-अलग एजेंडों का साझा मंच बन गया है। लोकतांत्रिक बहुलता अपने आप में नकारात्मक नहीं है, किंतु जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाए, तो आंदोलन की प्रभावशीलता कम होने लगती है। फिर उसका कोई मतलब नहीं रह जाता है। फिर प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार और कुछ स्थानों पर अव्यवस्था की खबरें और वीडियो भी चिंता बढ़ाते हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न संसाधनों और सहयोग का है। सार्वजनिक चर्चा में यह भी सामने आया कि कुछ प्रदर्शनकारियों को विदेशों से भोजन अथवा अन्य प्रकार की सहायता भेजी जा रही है। सरकार के खिलाफ चल रहे इस प्रदर्शन में बांग्लादेश, पाकिस्तान, कतर, नेपाल जैसे देशों की सद्भावना जाग उठी है। वीडियोज सामने आ रहे हैं कि इन देशों से अनजान व्यक्ति जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों के लिए फूड डिलीवरी ऐप से महँगा खाना भेज रहे हैं। वहीं नेपाल के युवा लगातार वीडियो बनाकर भारत के युवाओं को 'नेपाल जैसा कारनामा' करने के लिए भड़का रहे हैं।

क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) से जुड़े लोग यहां 卐जय भीम, जय भीम卐 के नारे लगाते नजर आए हैं। अब आप स्वयं ही विचार करें, इस नारे का इस आन्दोलन में क्या काम है! नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन विमेन (एनएफआईडब्ल्यू), जिसने नई दिल्ली में जंतर-मंतर के पास परिसीमन और जनगणना प्रक्रियाओं से कोटा को अलग करके संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग रखी है, सोचने वाली बात है कि यहां इस तरह की मांग का क्या औचित्य है?

कांग्रेस सेवा दल के स्वयंसेवक एनआईएफडब्ल्यू के सदस्य यहां बड़ी संख्या में मौजूद हैं। इस्लामवादियों और बुर्का पहने महिलाओं की उपस्थिति भी सहज देखी जा सकती है, जब उनसे हृश्वश्वञ्ज विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछा जा रहा था तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहीं थी। किसान नेता गुरनाम सिंह चढुनी के नेतृत्व वाली भारतीय किसान यूनियन और उनके समर्थक यहां मौजूद हैं। यह बात समझ से परे है कि किसानों का कोई संगठन छात्रों के अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन करने क्यों आया ंग तलवारें लहराते हुए पुलिसकर्मियों को धमका रहे हैं। ये निहंग पंजाब में हुए पेपर लीक के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं और दिल्ली तक का सफर तय कर विरोध प्रदर्शन करने आए हैं! जंतर-मंतर पर, सीजेपी के प्रदर्शनकारियों ने महिला पत्रकारों के साथ छेड़छाड़ की और पुरुष पत्रकारों को पीटना आखिर क्या दर्शा रहा है? ऐसे में साफ नजर आता है कि जंतर-मंतर पर चल रहा कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का विरोध प्रदर्शन छात्रों की चिंताओं को उठाने और उनके हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा है। पूरा विपक्ष यहां मौजूद है, सिर्फ मुखौटा छात्रों का लगा लिया गया है।

पिछले पांच दिन आम आदमी के लिए मुश्किल भरे रहे हैं, क्योंकि कई मेट्रो स्टेशन बंद हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह देश के आम व्यक्ति के टैक्स से खड़ी की गई हैं, इसलिए यहां सभी राजनीतिक दलों की भूमिका भी विचारणीय है। सत्ता का विरोध करने का अर्थ यह नहीं हो सकता है कि आप विरोध के लिए किसी भी सीमा तक चलें जाएं।

सरकार की आलोचना करना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन यदि किसी छात्र आंदोलन का केंद्र शिक्षा सुधार से हटकर केवल सत्ता परिवर्तन की राजनीति बन जाए, तो इसे मूल मुद्दे को पीछे छोड़ देना कहते हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता, प्रश्नपत्र सुरक्षा, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जैसे विषय ही ऐसे आंदोलन के केंद्र में रहने चाहिए, जोकि फिलहाल इस पूरे आन्दोलन से गायब हैं!

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े आंदोलन में समाज को जोड़ने वाले संदेश अधिक होने चाहिए या समाज को विभाजित करने वाले? यदि किसी भी मंच पर धर्म, जाति या समुदाय विशेष के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग हो रहा है, तो इसे क्या माना जाए ? निश्चित ही इससे आंदोलन का नैतिक आधार कमजोर हुआ है। शिक्षा सुधार की लड़ाई को किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक, जातीय या वैचारिक वैमनस्य में बदलना छात्रों के हित में नहीं माना जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्र आंदोलन अपने मूल उद्देश्य की ओर लौटे। यदि उसकी प्राथमिकता निष्पक्ष परीक्षा, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसियों में सुधार, प्रश्नपत्र लीक पर कठोर दंड और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा है, तो उसे व्यापक सामाजिक समर्थन मिलेगा ही, किंतु यदि आंदोलन का प्रमुख संदेश राजनीतिक ध्रुवीकरण, असंबंधित मुद्दों या भड़काऊ नारों से जुड़ना होगा तो स्वभाविक है संदेश देशभर में बिल्कुल भी सही नहीं जाएगा, जोकि अब यहां दिखाई भी दे रहा है।

वस्तुतः लोकतंत्र में सशक्त छात्र आंदोलन किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं। वे व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी बनाते हैं और सुधार का मार्ग प्रशस्त करते हैं, किंतु उनकी सबसे बड़ी पूंजी उनका नैतिक अनुशासन, स्पष्ट उद्देश्य और तथ्याधारित संघर्ष होता है, इसलिए किसी भी छात्र आंदोलन की सफलता इस बात से नहीं मापी जाएगी कि उसने कितने राजनीतिक नारे लगाए, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि उसने शिक्षा व्यवस्था को कितना अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाया।

ध्यान रहे- यदि आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटकता है, तो इतिहास उसे शिक्षा सुधार के आंदोलन के रूप में याद नहीं रखता, वह इतिहास में एक ऐसे आंदोलन के रूप में दर्ज हो जाता है, जिसने छात्रों के वास्तविक प्रश्नों को व्यापक राजनीतिक संघर्ष के शोर में कहीं पीछे छोड़ दिया। निश्चित ही वह इस भूमिका में एक अपराध की श्रेणी में ही याद किया जाता है

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का संभावित शेड्यूल सामने आया, अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे मुकाबले

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच सितंबर में 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। यह पहला मौका होगा, जब अफगानिस्तान टी20 में भारत की मेजबानी भारत में ही करेगी। इस सीरीज की संभावित शेड्यूल सामने आई है। क्रिकइन्फो के मुताबिक, भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज अरुण जेटली स्टेडियम में 13, 15 और 17 सितंबर को हो सकती है। मैचों की तारीखों का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। यह पहला मौका है, जब कोई टीम भारतीय जमीन पर भारत की मेजबानी करेगी। अफगानिस्तान कुछ समय से भारत में ही अपने घरेलू मैच खेल रहा है। अफगानिस्तान ने अपने घरेलू मैच लखनऊ, देहरादून और ग्रेटर नोएडा में खेले हैं, लेकिन इन मैचों में कोई मैच भारत के खिलाफ नहीं था। भारत-अफगानिस्तान टी20, श्रीलंका टेस्ट दौरा, और एशियाई खेलों के बीच यह तय किया गया है। एशियाई खेल सितंबर में जापान में होंगे। बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टेस्ट 27 अगस्त को खत्म होने वाला है, जबकि एशियाई खेल 24 सितंबर से होंगे। अफगानिस्तान और भारत ने जून में एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेले थे। अफगानिस्तान के लिए यह विदेशी दौरा था। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले गए टेस्ट को तीसरे दिन ही एक पारी और 300 रनों से जीता और फिर वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

कॉमनवेल्थ गेम्सः लवलीना के बाद सचिन, प्रीति और कपिल पर भारत की पदक उम्मीदें

नई दिल्ली। ग्लास्गो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजी टीम ने शानदार शुरुआत की है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहाई महिला 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश कर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर चुकी हैं। अब भारतीय टीम की निगाहें इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) से जुड़े तीन मुक्केबाजों सचिन सिवाच, प्रीति पवार और कपिल पोखरिया पर टिकी हैं, जो अपने अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। भारत के सबसे सफल मुक्केबाजों में शामिल सचिन सिवाच 25 जुलाई को पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग में अपने अभियान का आगाज करेंगे। 26 वर्षीय सचिन शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 2025 विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था और ऐसा करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बने थे। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य में आयोजित ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम और स्पेन के बॉक्साम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक जीता। वहीं, 2026 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक अपने नाम किया। अपनी तकनीकी दक्षता और रिंग पर शानदार नियंत्रण के दम पर सचिन को भारत के प्रमुख पदक दावेदारों में माना जा रहा है।

विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष, प्रतिबंधों के बाद अर्कादी द्वोर्कोविच ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। फिडे के अध्यक्ष अर्कादी द्वोर्कोविच के यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रतिबंध सूची में शामिल होने के बाद उनके पद से हटने के फैसले के पश्चात आनंद ने यह जिम्मेदारी संभाली है। फिडे ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि फिडे चार्टर के अनुच्छेद 19.2 के तहत उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक द्वोर्कोविच पर स्विट्जरलैंड और यूरोपीय संघ के लागू प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे। फिडे के नए अध्यक्ष का चुनाव सितंबर में होना है। फिडे ने अपने बयान में कहा कि संगठन ने द्वोर्कोविच के निर्णय को स्वीकार कर लिया है और अध्यक्ष के रूप में उनके सभी अधिकार, कर्तव्य और विशेषाधिकार निलंबित कर दिए गए हैं। इसके साथ ही वे किसी भी रूप में फिडे या उसकी परिसंपत्तियों का संचालन या नियंत्रण नहीं कर सकेंगे।

आईएसएसएफ विश्व कपः सैन्यम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता रजत, भारत का पदक खाता खुला भौगोलिकसंदर्भ

नई दिल्ली। भारत की निशानेबाज सैन्यम ने चीन के हांगझोउ में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में भारत का पदक खाता भी खोल दिया। फाइनल में सैन्यम ने दबाव के बीच शानदार संयम और निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए 243.4 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। यह उनके करियर का दूसरा आईएसएसएफ विश्व कप रजत पदक है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी लगातार बेहतर होती प्रदर्शन क्षमता का प्रमाण है। इससे पहले क्वालिफिकेशन दौर में सैन्यम ने 579 अंक हासिल कर फाइनल के लिए जगह बनाई थी। पूरे क्वालिफिकेशन में उन्होंने सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन किया और उसी लय को फाइनल में भी बरकरार रखते हुए भारत को प्रतियोगिता का पहला पदक दिलाया। भौगोलिकसंदर्भ हांगझोउ में जारी इस प्रतिष्ठित विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाजों से आगे भी कई पदकों की उम्मीद है। सैन्यम के रजत पदक ने भारतीय दल का मनोबल बढ़ाने के साथ टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत भी दिलाई।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में शुरू हुए 'राष्ट्रमंडल खेल 2026' में शामिल भारतीय दल के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, मैं राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल भारतीय दल के हर सदस्य को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी देश का मान बढ़ाने की कोशिश में अटूट संकल्प, बेहतरीन कौशल और सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन करेंगे। मैं उन्हें हर इवेंट में बड़ी सफलता की

शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस खेल में शामिल हो रहे भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे खिलाड़ी जोश, दृढ़ संकल्प और बेहतरीन प्रदर्शन की भावना के साथ इन खेलों में हिस्सा लेंगे। हमारे खिलाड़ियों का हुनर और लगन हमेशा अनगिनत भारतीयों को प्रेरित करते हैं

उल्लेखनीय है कि ग्लास्गो में गुरुवार रात को राष्ट्रमंडल खेलों का शुभारंभ हुआ। यह 23 जुलाई से 2 अगस्त तक चलेगा। इसमें 74 राष्ट्रमंडल खेल संघों के हजारों खिलाड़ी पदकों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

'बच्चों के भविष्य और उम्मीदों को सुरक्षित रखने का समाधान निकालेंगे': सचिन तेंदुलकर

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे सचिन तेंदुलकर ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है। तेंदुलकर ने कहा है कि हम सभी मिलकर ऐसा समाधान निकालेंगे जिससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित और मजबूत हो। सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मेरे पिता एक प्रोफेसर थे। वे कई युवा छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक और सलाहकार थे। उन्होंने मुझे शुरू से ही एक बात सिखाई थी कि असफलता ठीक है, लेकिन चीटिंग करना नहीं। कभी भी शॉर्टकट न अपनाएं।' उन्होंने आगे लिखा, 'समाज में बड़े होने के नाते, हमारी जिम्मेदारी है कि हम संस्कृति को सही दिशा दें। जो समाज मेहनत के बजाय नतीजों को ज्यादा अहमियत देता है, वह काबिलियत के बजाय शॉर्टकट को चुनता है। आज, जब छात्र निराश महसूस करते हैं कि उनकी कड़ी मेहनत का उन्हें फल नहीं मिला, तो उनकी निराशा समझ में आती है। हम सभी को मिलकर यह पक्का करना चाहिए कि उन्हें दोबारा ऐसा महसूस न हो। ' तेंदुलकर ने लिखा, 'युवा भारत सपनों और ऊर्जा से भरा हुआ है। वे हमारी सफलता का आधार हैं। एक समाज के तौर पर, माता-पिता, शिक्षक, दोस्त, रिश्तेदार, स्कूल और प्रशासक–हम सभी की एक बड़ी जिम्मेदारी है और अलग-अलग भूमिकाएं हैं।

'मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं', निकोलस ओटामेंडी ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़

रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। '

ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

लुका मोड्रिक ने एक साल के लिए बढ़ाया एसी मिलान संग अपना करार

एजेंसी

मिलान । क्रोएशिया के दिग्गज फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने अपने शानदार खेल करियर को एक और साल आगे बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने इटली के क्लब एसी मिलान के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा लिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी है। मोड्रिक अब 30 जून 2027 तक एसी मिलान के साथ जुड़े रहेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे मोड्रिक ने पिछले साल रियल मैड्रिड के साथ 13 साल का सफल सफर खत्म करने के बाद मिलान का दामन थामा था। एसी मिलान के साथ उनका पिछला करार 30 जून को समाप्त हो गया था। अपने पहले सीजन में मोड्रिक ने एसी मिलान के लिए 37 मुकाबले खेले और दो गोल किए। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। मिलान सेरी ए में पांचवें स्थान पर रहा और कोपा इटालिया में टीम अंतिम-16 दौर तक ही पहुंच सकी। मोड्रिक ने पहले कहा था कि वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 के बाद अपने भविष्य को लेकर फैसला करेंगे। हालांकि, अब उन्होंने क्लब फुटबॉल में अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है।

क्रोएशिया की टीम वर्ल्ड कप में पुर्तगाल से हारकर राउंड ऑफ-32 से बाहर हो गई थी। एसी मिलान ने अपने बयान में कहा कि मोड्रिक ने एक और सीजन के लिए क्लब के साथ नया करार किया है। क्लब ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से मोड्रिक ने अपने अनुभव, मेहनत और खेल कौशल से टीम को मजबूती दी है। वह नए सीजन में भी टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। 2018 में बैलन डी'ओर जीतने वाले मोड्रिक अगले सीजन में भी एसी मिलान की नंबर-14 जर्सी पहनेंगे। मोड्रिक ने 2012 में इंग्लैंड के क्लब टोटेनहम हॉटस्पर से रियल मैड्रिड का रुख किया था। शुरुआती मुश्किलों से उबरते हुए, उन्होंने रियल मैड्रिड के

इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। रियल मैड्रिड के लिए, उन्होंने करीब 600 मैच खेले और लगभग 30 बड़े खिताब जीते। इनमें छह यूईएफए चैंपियंस लीग ट्रॉफी और चार ला लीगा खिताब शामिल हैं। 2018 में मोड्रिक ने लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लंबे दबदबे को खत्म करते हुए बैलन डी'ओर पुरस्कार जीता था। उनकी शानदार पासिंग, गेंद पर नियंत्रण और खेल को समझने की क्षमता ने उन्हें दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में शामिल किया।

बार्सिलोना की बढ़ी मुश्किलें, चोट की वजह से कई महीनों तक मैदान से दूर रह सकते हैं फ्रेंकी डी जोंग

एजेंसी

मैड्रिड । स्पेन के मशहूर फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार मिडफील्डर फ्रेंकी डी जोंग घुटने की गंभीर चोट के कारण कई महीनों तक मैदान से दूर रह सकते हैं। फ्रेंकी को यह चोट फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स की ओर से खेलते हुए लगी थी। कई दिनों से स्पेनिश मीडिया में डी जोंग की चोट को लेकर खबरें चल रही थीं। अब बार्सिलोना ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि कर दी है। क्लब ने बताया कि जांच में पता चला है कि डी जोंग के दाएं घुटने की मेडियल कोलेटरल लिगामेंट (एमसीएल) में चोट लगी है। बार्सिलोना ने अपने बयान में कहा कि डी जोंग की अभी सर्जरी नहीं की जाएगी। वह क्लब के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में बिना ऑपरेशन वाले इलाज (कंजर्वेटिव ट्रीटमेंट) के जरिए ठीक होने की कोशिश करेंगे। अगले कुछ हफ्तों में उनकी रिकवरी पर लगातार नजर रखी जाएगी और उसके बाद ही डी जोंग की वापसी को लेकर कोई फैसला लिया जाएगा। 29 साल के डी जोंग बार्सिलोना के अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनकी चोट से टीम की मिडफील्ड को बड़ा नुकसान हो सकता है। हालांकि, उनकी वापसी में कितना समय लगेगा, यह इलाज और रिकवरी की गति पर निर्भर करेगा। स्पेनिश अखबार 'एल मुंडो डेपोर्टिवो' की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर डी जोंग की सर्जरी करनी पड़ती है तो उन्हें ठीक होने में करीब चार महीने लग सकते हैं। वहीं, अगर बिना सर्जरी के इलाज सफल रहता है तो उनके मैदान पर लौटने का समय कम हो सकता है। फिर भी माना जा रहा है कि वह नए सीजन की शुरुआत में टीम के साथ नहीं खेल पाएंगे। बार्सिलोना का नया सीजन 15 अगस्त से शुरू होने वाला है। डी जोंग की चोट को लेकर बार्सिलोना और नीदरलैंड्स फुटबॉल टीम के बीच मतभेद की खबरें भी सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बार्सिलोना इस बात से नाराज है कि खिलाड़ी चोटिल के बावजूद वर्ल्ड कप में खेलता रहा। क्लब का मानना है कि इससे उनकी चोट और गंभीर हो गई।अखबार 'स्पोर्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर डी जोंग लंबे समय तक बाहर रहते हैं तो बार्सिलोना उन्हें लंबे समय तक अनुपस्थित रहने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर सकता है। इससे क्लब को अपनी वेतन सीमा (सैलरी कैप) में कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए खिलाड़ी की सहमति जरूरी होगी।

डी जोंग वर्ल्ड कप के बाद घुटने की चोट के साथ बार्सिलोना लौटे थे। खबरों के अनुसार, उन्हें अपनी राष्ट्रीय टीम के आखिरी मैचों में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा था। मिडफील्डर ने अपनी छुट्टियों का समय क्लब की स्पोर्ट्स सिटी में बिताया, जहां मेडिकल स्टाफ ने चोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए उनकी सटीक और व्यापक जांच की।

अगर यह पुष्टि हो जाती है कि खिलाड़ी अगले दिसंबर से पहले तैयार नहीं हो पाएगा, तो बार्सिलोना लंबे समय तक अनुपस्थित रहने का विकल्प अपना सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फीफा चोट के लिए कैटलन क्लब को दो मिलियन यूरो से ज्यादा का मुआवजा देगा, और बार्सिलोना खिलाड़ी की सैलरी का वह हिस्सा भी मांग सकता है ।

मुझे लगता है मुझे काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ाः मयंक यादव

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 7 विकेट से हराया। टीम की जीत में गेंद से अहम योगदान मयंक यादव ने दिया। उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए। लंबे समय बाद टीम में लौटे मयंक अपने प्रदर्शन से काफी खुश नजर आए। हालांकि, मयंक ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनको काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा है। मैच के दौरान मयंक ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल था, खासकर दो साल का गैप एक चुनौती थी, क्योंकि उम्र मेरे साथ नहीं थी। मैं सिर्फ 22-23 साल का था। मुझे लगा कि काफी कम उम्र में ही मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा। हालांकि, देश के लिए खेलने का मोटिवेशन हमेशा बना रहा। इसी वजह से मैं वापसी करना चाहता था और वैसा ही प्रदर्शन करना चाहता था जैसा पहले किया था।' टीम के अन्य गेंदबाजों संग बातचीत को लेकर पूछे गए सवाल पर मयंक ने कहा, 'हम पेस के बारे में ज्यादा बात नहीं करते, लेकिन हमारी बॉन्डिंग अच्छी है। इस मुकाबले में मैंने पहला ओवर डाला, इसके बाद मैंने प्रिंस और अशोक के साथ कुछ बातें शेयर कीं, जैसे कि मुझे कैसी मदद मिल रही थी और अटैक करने के लिए बेहतर विकल्प क्या थे। पहले छह ओवर के बाद हम बहुत अच्छी स्थिति में थे। इसलिए हमारी बातचीत इस बारे में थी कि हम उन पर और कितना दबाव बना सकते हैं और किस तरह की और गेंदें डाल सकते हैं। 'मयंक ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए ब्रायन बेनेट को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। वहीं, डायोन मायर्स को उन्होंने 6 रनों के स्कोर पर आउट किया। दो विकेट चटकाने के साथ-साथ मयंक बेहद किफायती रहे और उन्होंने बेहतरीन लाइन एंड लेंथ पर गेंदबाजी की। मयंक को दूसरे छोर से प्रिंस यादव और अशोक शर्मा का भी अच्छा साथ मिला। प्रिंस ने 29 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए।

भारत ने जिम्बाब्वे को 40 बॉल शेष रहते रौंदा, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाया ये रिकॉर्ड

एजेंसी

हरारे। वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से अपने नाम किया। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 120 से ज्यादा रन का पीछा करते हुए गेंदों के अंतर से भारत की चौथी सबसे बड़ी जीत है। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 60 गेंदें शेष रहते मैच जीता था। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ साल 2024 में 128 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 49 गेंदें रहते मैच अपने नाम किया। साल 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 133 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 43 रन से मुकाबला अपने नाम किया था। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 125 रन बनाए। पहली गेंद पर ही मेजबान टीम ने ब्रायन बेनेट (0) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बेन करन ने डियन मायर्स के साथ दूसरे विकेट के लिए टीम के खाते में 19 रन जुटाए, लेकिन महज 32 रन तक जिम्बाब्वे ने अपने 4 विकेट खो दिए।

यहां से रेयान बर्ल ने वेस्ली मधेवेरे (39) के साथ पांचवें विकेट के लिए 32 रन जुटाकर टीम को 64 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद मधेवेरे ने तादिवानाशे मारुमानी के साथ छठे विकेट के लिए 37 गेंदों में 57 रन जोड़कर टीम को किसी तरह शतक के पार पहुंचाया।बर्ल 35 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मारुमानी ने 20 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 27 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से मयंक यादव और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में टीम इंडिया ने महज 13.2 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। वैभव सूर्यवंशी ने अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 23 रन जुटाए। इस दौरान अभिषेक टीम के खाते में सिर्फ 1 रन का योगदान दे सके।

इसके बाद वैभव ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 21 गेंदों में 45 रन जोड़कर टीम को मजबूती दी। वैभव ने 19 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। 15 साल और 118 दिन की उम्र में वैभव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक जड़ने वाले दुनिया के सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बने।

कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 28) चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने ईशान किशन (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 46 रन जुटाए, जिसके बाद तिलक वर्मा (नाबाद 6) के साथ चौथे विकेट के लिए 12 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। मेजबान टीम के खेमे से ब्लेसिंग मुजरबानी ने 26 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि रिचर्ड नगारवा ने 1 विकेट हासिल किया।

'मां के लिए था वो सेलिब्रेशन', परिवार और कोच को समर्पित किया वैभव ने इंटरनेशनल करियर का पहला अर्धशतक

एजेंसी

हरारे । जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक लगाया। वैभव ने कहा कि करियर की शुरुआत में ही अच्छा प्रदर्शन करना आने वाले मैचों के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। 15 वर्षीय वैभव टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 19 गेंदों में 50 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। वैभव ने 15 साल 118 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। उन्होंने लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 16 साल और 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले भी सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में नेपाल के कुशल मल्ला को पीछे छोड़ा है। कुशल ने साल 2020 में अमेरिका के खिलाफ 15 साल और 340 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। बीसीसीआई डॉट टीवी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने कहा, 'जब आप अपने करियर के शुरुआती दौर में होते हैं और आपको ऐसी पारियां खेलने को मिलती हैं और आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे आने वाले मैचों के लिए आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपनी लय में था और मैंने बस अपनी ताकत का इस्तेमाल किया; बस इतना ही। मैं यह अर्धशतक अपने परिवार, अपने कोच और उन सभी लोगों को समर्पित करना चाहता हूं जिन्होंने मेरे अच्छे और बुरे दौर में मेरा साथ दिया है। ' अर्धशतक पूरा करने के बाद, उन्होंने अपने सिर के ऊपर दोनों हाथों से 'ए' का निशान बनाया। अपने सेलिब्रेशन के बारे में बताते हुए इस युवा खिलाड़ी ने साफ किया कि यह सेलिब्रेशन असल में उनकी मां आरती के लिए एक सम्मान था। उन्होंने 'थंब्स अप' का इशारा भी किया, जिसके बारे में उन्होंने बताया, 'मैंने वह सेलिब्रेशन अपनी मां के लिए किया था, और दूसरा इशारा रिंकू सिंह के साथ हुई बातचीत पर आधारित था। ' हरारे का मैदान सूर्यवंशी के लिए बहुत लकी साबित हुआ है। इसी साल की शुरुआत में उन्होंने इसी ग्राउंड पर आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंदों में शानदार 175 रन बनाए थे। इससे पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 68 रनों की दमदार पारी खेली थी।

जोस बटलर के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, क्रिस गेल का तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली । इंग्लैंड के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर टी20 क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बटलर ने इस मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। बटलर ने यह मुकाम द हंड्रेड टूर्नामेंट में हासिल किया। उन्होंने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए लंदन स्पिरिट के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 11 गेंदों में 16 रनों की पारी खेलने के साथ ही यह मुकाम हासिल किया। बटलर के नाम अब टी20 क्रिकेट में 14,572 रन दर्ज हो गए हैं। बटलर क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 9 शतक और 102 अर्धशतक लगा चुके हैं। उन्होंने 16 रन बनाने के साथ ही क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। गेल ने टी20 क्रिकेट में खेली 455 पारियों में 14,562 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 22 शतक और 88 अर्धशतक निकले हैं। टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड कीरोन पोलार्ड के नाम है, जिन्होंने 663 पारियों में 14,803 रन बनाए हैं। पोलार्ड ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 2 शतक और 70 अर्धशतक लगाए हैं। पोलार्ड से आगे निकलने के लिए बटलर को अब सिर्फ 231 रनों की दरकार है। टी20 विश्व कप 2026 में रनों के लिए संघर्ष करने वाले बटलर अपनी शानदार फॉर्म में लौट चुके हैं। हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई टी20 इंटरनेशनल सीरीज में बटलर का प्रदर्शन लाजवाब रहा था। उन्होंने पांचवें टी20 मुकाबले में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए महज 64 गेंदों में 131 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।

वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिपः अनाहत ने रचा इतिहास, लगातार दूसरी बार कटाया सेमीफाइनल का टिकट

एजेंसी

ओंटारियो । भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। उन्होंने मिस्र की हबीबा रिजक को हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। महिला वर्ग की वर्ल्ड नंबर 20 खिलाड़ी अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में हबीबा को 11-7, 11-5, 6-11, 11-9 से हराकर अंतिम चार में अपनी जगह बनाई। वह वर्ल्ड जूनियर्स में लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। अब उन्हें खिताब जीतने का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। सेमीफाइनल मुकाबले में अनाहत का मुकाबला मिस्र की ही बारब सामेह से होगा। इस बीच, बारब सामेह और मलिका एलकाराक्सी ने हांगकांग, चीन की हेलेन टैंग और बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम को सीधे गेम में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। मिस्र के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एडम हवाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सऊदी अरब के मोहम्मद अलनासफान को 3-1 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है।

पुरुष वर्ग में मिस्र के मारवान असल ने कड़े मुकाबले में फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनके साथ मिस्र के ही दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुकैया सलेम भी

सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने मलेशिया की व्हिटनी विल्सन को बेहद रोमांचक मुकाबले में हराया। यह मैच पांच गेम तक चला। दूसरी ओर, सेफेल्डिन रेफे (सीडिंग 3/4) ने मैडॉक्स मोक्सहैम को सीधे गेम में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। ब्रिटिश जूनियर चैंपियन रेफे का म

अडाणी समूह ने एयरलाइन कारोबार में उतरने की योजना से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने मीडिया की उन खबरों और बाजार में जारी अटकलों को ख़ारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह एयरलाइन (विमानन कंपनी) कारोबार में उतरने की योजना बना रहा है। अडाणी समूह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हम हाल की उन मीडिया रिपोर्टों और बाजार की अटकलों का साफ तौर पर खंडन करना चाहते हैं, जिनमें कहा गया है कि अडाणी एंटरप्राइजेज एयरलाइन शुरू करने की योजना बना रही है। समूह ने इन दावों को 'पूरी तरह निराधार और तथ्यात्मक रूप से गलत' बताया। कंपनी ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज एयरलाइन कारोबार में उतरने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।

सरकार ने फिर किया ई20 पेट्रोल के सुरक्षित होने का दावा, इंजन में बड़े पैमाने पर खराबी का नहीं मिला सबूत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फिर कहा कि ई20 पेट्रोल सुरक्षित है, इससे इंजन में बड़े पैमाने पर खराबी का कोई सबूत नहीं मिला है। वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर ई20 पेट्रोल की सुरक्षा और परफॉर्मेंस की पुष्टि की गई है। सरकार ने कहा कि ई20 पेट्रोल, जो 20 फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल का मिश्रण है, पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है।लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने लिखित जवाब में यह जानकारी दी। गोपी ने अपने जवाब में कहा कि वैज्ञानिक अध्ययनों और फील्ड डेटा से गाड़ियों की परफॉर्मेंस पर ई20 पेट्रोल का कोई व्यापक असर नहीं पाया गया है। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया पर जताई गई चिंताओं की जांच की गई थी। सुरेश गोपी ने कहा कि सरकार का आकलन न केवल प्रयोगशाला अनुसंधान पर आधारित है बल्कि राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन के बाद व्यापक अनुभव पर भी आधारित है। देश में प्रतिदिन लगभग 8 करोड़ वाहन खुदरा पेट्रोल पंप पर आते हैं, जिनमें लगभग 80 फीसदी पेट्रोल वाहन होते हैं। उन्होंने कहा कि ई20 की ओर बदलाव से राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुए हैं। ईथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से 1.97 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। सुरेश गोपी ने कहा कि लगभग 316 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का भी प्रतिस्थापन हुआ है, जबकि लगभग 952 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है और किसानों को 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हस्तांतरित हुआ है।

इंडिगो एयरलाइन को पहली तिमाही में 238 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। कंपनी को अप्रैल-जून तिमाही में 238 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 2,176.3 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 25,614.1 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 21,542.6 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी के कुल खर्च में भी वृद्धि हुई है। इंडिगो ने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि, विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव तथा पश्चिम एशिया में संकट का तिमाही की लाभप्रदता पर संयुक्त असर पड़ा, जिससे कंपनी को 2.4 अरब रुपये (238 करोड़ रुपये) का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी के मुताबिक ईंधन की ऊंची कीमतों, विदेशी मुद्रा विनिमय में नुकसान और पश्चिम एशिया में जारी संकट का भी लाभ पर प्रतिकूल असर पड़ा है। इंटरग्लोब एविएशन इंडिगो की मूल कंपनी है। घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो की हिस्सेदारी 66 फीसदी से अधिक है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इंडो एमआईएम का आईपीओ, 30 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। मआईएम का 3,811.21 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 3:15 बजे तक ये आईपीओ 82 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 461 रुपये से लेकर 485 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 30 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 30 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,550 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,89,150 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 390 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 7,86,00,300 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1,03,09,278 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि 6,82,91,022 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.87 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, चेन्नई में सोने की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा ज्यादातर जगहों पर कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। जबकि चेन्नई में सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है।

भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

आंध्र प्रदेश में एनएच-42 को चार लेन बनाने के लिए 679.71 करोड़ मंजूर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले में मुदिगुब्बा से कदिरी तक राष्ट्रीय राजमार्ग-42 को दो लेन से चार लेन में विकसित करने के लिए 679.71 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना से आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कई क्षेत्रों की बेंगलुरु-विजयवाड़ा-कोलकाता (बीकेवी) एक्सप्रेसवे, तिरुपति और चेन्नई तक बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध होगी।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत मौजूदा दो लेन सड़क को पक्के कंधों (पेव्ड शोल्डर) सहित चार लेन राजमार्ग में बदला जाएगा। इस परियोजना से अनंतपुर और श्री सत्य साई जिलों के साथ-साथ कर्नाटक के कुछ हिस्सों से बीकेवी एक्सप्रेसवे, तिरुपति और चेन्नई तक निर्बाध संपर्क स्थापित होगा। इससे यात्रा और माल परिवहन में लगने वाला समय कम होगा, यातायात का दबाव घटेगा तथा क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना में चार लेन मुख्य मार्ग, सर्विस रोड, एक फ्लाईओवर, एक वाहन अंडरपास-सह-रोड ओवर ब्रिज (वीयूपी-सह-आरओबी) तथा एक प्रमुख पुल का निर्माण किया जाएगा। इससे यात्रियों और मालवाहक वाहनों के लिए यात्रा अधिक सुरक्षित और सुगम होगी।

केंद्र ने केवल निर्यात के लिए भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निर्यात के लिए ई-कॉमर्स इन्वेंट्री मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दे दी है। इससे विदेशी निवेश वाली ई-कॉमर्स कंपनियां अब भारत में अपना स्टॉक को रखकर विदेशों में सामान बेच सकेंगी।उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने जारी एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार ने केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए भंडारण-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अपनी अनुमति दे दी है। सरकार के इस कदम से छोटे खुदरा कारोबारियों के कारोबार पर असर डाले बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

डीपीआईआईटी ने जारी अधिसूचना में कहा, ''भारतीय विक्रेताओं को वैश्विक बाजारों तक आसान और व्यापक पहुंच उपलब्ध कराकर निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से मौजूदा एफडीआई नीति की समीक्षा

की गई है। इसके तहत ये निर्णय लिया गया है कि देश में निर्मित और/या उत्पादित वस्तुओं एवं उत्पादों के निर्यात के मामले में माल भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल पर लागू प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।'' अधिसूचना के मुताबिक समेकित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के अनुसार व्यापार-से-व्यापार (बी2बी) ई-कॉमर्स और मार्केटप्लेस मॉडल में केवल एफडीआई की अनुमति है। हालांकि, कंपनी-से-उपभोक्ता (बी2सी) मॉडल में हालांकि ई-कॉमर्स और भंडारण-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति नहीं है। इस मॉडल में वस्तुओं और सेवाओं का भंडार ई-कॉमर्स इकाई के स्वामित्व में होता है और वह उन्हें सीधे उपभोक्ताओं को बेचती है।डीपीआईआईटी ने जारी अपनी नीति में एक नया प्रावधान जोड़ा है जिसके अनुसार, ''ई-कॉमर्स इकाई को विदेश व्यापार नीति, 2023 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन (वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात) विनियम, 2015 के लागू प्रावधानों के अनुरूप भारत में विनिर्मित और/या उत्पादित वस्तुओं एवं उत्पादों के केवल निर्यात के लिए माल भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल अपनाने की अनुमति होगी।''

ईडी ने इंदौर में 70 करोड़ रुपये के मेफेड्रोन ड्रग तस्करी एवं मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इंदौर उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने लगभग 70 करोड़ रुपये मूल्य के मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग तस्करी एवं मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ईडी के उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने जानकारी दी कि गिरफ्तार आरोपियों में वेद प्रकाश व्यास, दिनेश अग्रवाल और अक्षय अग्रवाल शामिल हैं। इन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया। जांच अपराध शाखा इंदौर द्वारा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की गई। मामला लगभग 70 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) के अवैध कब्जे और तस्करी से संबंधित है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 70 करोड़ रुपये बताई गई है। ईडी के अनुसार, जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित धन को कई व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक बैंक खातों के माध्यम

से विभिन्न वित्तीय लेनदेन में उपयोग किया। वित्तीय जांच में बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन, धन के प्लेसमेंट, लेयरिंग तथा अपराध से अर्जित आय को छिपाने के संकेत मिले हैं। जांच के दौरान दर्ज बयानों से आरोपियों की नियमित व्यावसायिक गतिविधियों के साथ-साथ मादक पदार्थों की आपूर्ति और तस्करी में संलिप्तता के भी संकेत मिले हैं। ईडी ने गत 17 जुलाई को इंदौर और मंदसौर स्थित कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया था। तलाशी के दौरान आरोपियों की संपत्ति, वित्तीय लेनदेन और व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए। मामले में आगे की जांच जारी है। ईडी ने कहा है कि नशा मुक्त भारत का लक्ष्य केवल मादक पदार्थों की जब्ती से पूरा नहीं होगा, बल्कि अवैध मादक पदार्थों के व्यापार को संचालित करने वाले वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करना भी आवश्यक है। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एजेंसी मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अपराध की आय की पहचान, पता लगाने और उसे जब्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही युवाओं को नशे के खतरे से बचाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को भी आवश्यक बताया गया है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका से और महंगा हुआ कच्चा तेल, 101 डॉलर के पार पहुंचा बेंट क्रूड

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग और खाड़ी के देशों से क्रूड ऑयल की ग्लोबल सप्लाई बाधित होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड दो महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। आज ब्रेंट क्रूड तेजी दिखाते हुए 101 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 1.16 डॉलर प्रति बैरल की उछाल के साथ 95.23 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 101.01 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दो महीने के दौरान ब्रेंट क्रूड का ये सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि बाद में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। भारतीय समय के मुताबिक रात 8:30 बजे अंतरराष्ट्रीय

बाजार में ब्रेंट क्रूड 6.59 डॉलर प्रति बैरल यानी 7.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 100.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

उल्लेखनीय है कि दो महीने पहले 24 मई को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 94.92 डॉलर प्रति बैरल से लेकर 96.30 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति होने की उम्मीद की वजह से क्रूड ऑयल की कीमत में गिरावट का रुख बन गया था, जिसकी वजह से एक जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंड क्रड 71.44 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया था। हालांकि छह जुलाई के बाद इसकी कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया।

ब्रेंट क्रूड की तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 0.90 डॉलर प्रति बैरल की बढ़त के साथ 87.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 92.15 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक शाम 8:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 5.20 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 92.03 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल हो जाने, सीजफायर खत्म होने और दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर लगातार हमला करने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर चला गया था। इसके बाद तीन दिन तक सुस्ती का माहौल बना रहा, लेकिन पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है, जिसकी वजह से आज इसने पिछले दो महीने के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर लिया है। जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सौ डॉलर के स्तर के ऊपर जा सकती है। कच्चे तेल की कीमत मे होने वाली बढ़ोतरी भारत जैसे कच्चे तेल के आयातक देश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है।

ईडी की मप्र में बड़ी कार्रवाई, जबलपुर के प्रियंक मेहता की 3.67 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त

एजेंसी

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के अंतर्गत मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी राजुल ग्रुप के पार्टनर प्रियंक मेहता के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करते हुए 5,02,954 अमेरिकी डॉलर यानी 3.67 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति जब्त की है। ईडी भोपाल कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई कि मेहता ने अमेरिका के वीजा कार्यक्रम में निवेश के लिए करीब साढ़े पांच लाख डालर विदेश भेजे थे। इसके बाद पुर्तगाल में प्रॉपर्टी खरीदी गई और विदेशी बैंक में पैसा जमा किया गया। ईडी ने यह कार्रवाई आयकर विभाग से मिली सूचना और जांच के आधार पर की है। ईडी के अनुसार, जांच में सामने आया है कि प्रियंक मेहता ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के अंतर्गत अमेरिका के ईबी-5 वीजा कार्यक्रम में निवेश के लिए 5,48,000 अमेरिकी डॉलर विदेश भेजे थे। जांच में यह पता चला कि भेजी गई राशि में से 5,02,954 अमेरिकी डॉलर, उस काम में उपयोग नहीं लाए गए, जिसके लिए भेजे गए थे। ईडी की जांच के अनुसार, अमेरिका से वापस हुई राशि को भारत वापस लाने के बजाय सीधे पुर्तगाल भेज दिया गया। बाद में भारत से भेजी गई अतिरिक्त धनराशि के साथ इसे मिलाकर पुर्तगाल में अचल संपत्ति खरीदी गई। शेष राशि भी पुर्तगाल के एक विदेशी बैंक खाते में रखी गई। ईडी का कहना है कि विदेश में इस प्रकार विदेशी मुद्रा और संपत्ति का अधिग्रहण एवं उपयोग फेमा, 1999 की धारा 4 तथा धारा 10(6) का उल्लंघन है।ईडी ने फेमा की धारा 37 ए(1) में जबलपुर स्थित प्रियंक मेहता की लगभग 3.67 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी के अनुसार, यह राशि विदेश में अवैध रूप से रखे गए 5,02,954 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। ईडी ने स्पष्ट किया है कि मामले में आगे की जांच जारी है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एयर इंडिया और सऊदिया एयरलाइंस ने कोडशेयर विस्तार के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और सऊदी अरब की सऊदिया एयरलाइंस ने अपनी रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों एयरलाइंस के बीच कोडशेयर समझौते का विस्तार, नेटवर्क कनेक्टिविटी में सुधार करने और व्यापक वाणिज्यिक सहयोग की संभावनाओं को तलाशने की योजना है। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा कि हमने अपनी मौजूदा कोडशेयर डील को आगे बढ़ाते हुए और ऑपरेशनल व कमर्शियल सहयोग के नए मौके बनाते हुए, अपनी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को बढ़ाने के लिए सऊदिया एयरलाइंस के साथ एक समझौता ज्ञापन

(एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है।

एयरलाइन ने बताया कि इस समझौते पर सऊदी समूह के डायरेक्टर जनरल इंजीनियर इब्राहिम अल-ओमर और एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ और प्रबंध निदेशक मिस्टर कैंपबेल विल्सन ने हस्ताक्षर किए हैं। एयर इंडिया ने कहा कि हम साथ मिलकर अपने नेटवर्क में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, कस्टमर एक्सपीरियंस और लॉयल्टी के मामले में सहयोग को गहरा करने व भारत, सऊदी अरब और अन्य जगहों के बीच यात्रा करने वालों के लिए ज़्यादा वैल्यू बनाने का लक्ष्य रखते हैं। इतिहास एयरलाइन ने कहा कि यह एमओयू हमारे संबंधित ग्रुप्स की अन्य एयरलाइंस (जैसे एयर इंडिया एक्सप्रेस और फ्लाईडील) तक इस पार्टनरशिप को बढ़ाने की संभावना तलाशने की नींव भी रखता है, जिससे हमारे यात्रियों के लिए और भी बेहतर कनेक्टिविटी और विकल्प बनेंगे। गौरतलब है कि भारत और सऊदी अरब के बीच यात्री यातायात लगातार बढ़ रहा है।

450 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने दिल्ली, यूपी और पंजाब में आठ ठिकानों की छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 450 करोड़ बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन से जुड़े मामले में संतोष ओवरसीज लिमिटेड एवं उससे संबद्ध संस्थाओं के खिलाफ दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में आठ ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। ईडी ने बताया कि एजेंसी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज बैंक धोखाधड़ी के मामले पर आधारित है। आरोप है कि संतोष ओवरसीज लिमिटेड ने बैंकों के एक संघ (कंसोर्टियम) से लगभग 450 करोड़ का ऋण लिया और बाद में उस धन का दुरुपयोग किया। जांच में अब तक सामने आया है कि

ऋण की राशि को फर्जी कंपनियों, एंट्री ऑपरेटरों और संबद्ध संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से कथित तौर पर दूसरी जगह स्थानांतरित किया गया। इसके लिए फर्जी बिलों और चक्रीय वित्तीय लेन-देन का सहारा लेकर धन की परतें (लेयरिंग) बनाई गईं। ईडी के अनुसार, छापेमारी कंपनी के प्रवर्तकों, संबद्ध कंपनियों और कथित रूप से इस लेन-देन में सहयोग करने वाले व्यक्तियों से जुड़े परिसरों पर की जा रही है। एजेंसी ने कहा कि तलाशी अभियान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

प्राइमरी मार्केट में एक्सट्रानेट टेक का आईपीओ लॉन्च, 27 जुलाई तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की आईटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज का 166.80 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 2:30 बजे तक ये आईपीओ 61 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 127 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 110 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 110 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,970 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,95,580 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लॉट में 1,540 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,31,34,000 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 36.96 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 48.04 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

वैश्विक दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी और कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर के लिए लिवाली का जोर भी बनाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया। हालांकि लिवाली का यह दौर अधिक देर तक टिक नहीं सका। थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने दोबारा दबाव बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.16 प्रतिशत और निफ्टी 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से सिप्ला, एचसीएल टेक्नोलॉजी, नेस्ले, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 2.56 प्रतिशत से लेकर 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एवियेशन, भारती एयरटेल, एटरनल और बजाज फाइनेंस के शेयर 2.78 प्रतिशत से लेकर 2.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,732 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 545 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,187 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ

भारत ने बांग्लादेश को ब्रिक्स समिट के लिए दिया खास न्योता, पीएम तारिक रहमान को भेजा निमंत्रण पत्र

ढाका । भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स समिट के लिए निमंत्रण दिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समिट में वैश्विक सहयोग, व्यापार और सतत विकास को लेकर बातचीत होने की उम्मीद है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने गुरुवार दोपहर को रिपोर्टरों से बात करते हुए कन्फर्म किया कि विदेश मंत्रालय को भारत से निमंत्रण पत्र मिला है और इसे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) भेज दिया गया है। बांग्लादेशी मीडिया ने बताया कि 11 सदस्यों वाले सदस्य का मेंबर या ऑब्जर्वर न होने के बावजूद, भारत ने बांग्लादेश को विशेष अतिथि के तौर पर निमंत्रण दिया है। भारत की तरफ से यह खास कदम दोनों देशों के आपसी रिश्तों को मजबूत करने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की कोशिशों के बीच आया है। अभी ब्रिक्स के सदस्य ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात हैं। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' थीम पर आधारित है, जो 2025 रियो समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए लोगों पर केंद्रित और मानवता को सबसे पहले रखने वाले नजरिए को दिखाता है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सितंबर में करेंगे अमेरिका का दौरा, व्हाइट हाउस में ट्रंप से होगी मुलाकात

वाशिंगटन । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अमेरिका दौरे को लेकर हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में व्हाइट हाउस आने की उम्मीद है। इससे व्यापार, तकनीक और सुरक्षा को लेकर रणनीतिक कॉम्पिटिशन के बीच दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के नेताओं के बीच एक और उच्चस्तरीय बैठक की योजना का संकेत मिलता है। शी जिनपिंग के दौरे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बात व्हाइट हाउस में 2025 वर्ल्ड सीरीज चैंपियन लॉस एंजिल्स डोजर्स की मेजबानी करते हुए कही। उन्होंने खिलाड़ियों को नए बने व्हाइट हाउस के मैदान और ओवल ऑफिस दिखाते हुए आने वाले दौरे का जिक्र किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'तीन हफ्ते पहले किंग चार्ल्स यहां आए थे। अगले तीन हफ्ते में राष्ट्रपति शी आ रहे हैं। वह सितंबर में यहां आने वाले हैं। ' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया के सबसे ताकतवर ऑफिस, ओवल ऑफिस से कुछ ही कदम दूर हैं, जहां सब कुछ शुरू होता है, खत्म होता है और शुरू होता है। ' ट्रंप ने कहा, 'हम दुनिया के सबसे शक्तिशाली कार्यालय, ओवल ऑफिस से बस कुछ कदम दूर हैं। वहीं से सब कुछ शुरू होता है, खत्म होता है और फिर से शुरू होता है। '

ईरान पर लगातार 13वीं रात बरसे अमेरिकी बम, सैन्य ठिकानों पर फिर किए हमले

वाशिंगटन । अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिका की सेना ने शाम (स्थानीय समय) को ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमलों का एक और दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने लगातार 13वीं रात को ईरान के ऊपर हमला जारी रखा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमले ईस्टर्न टाइम के हिसाब से शाम 6:45 बजे शुरू हुए और उनका मकसद 'ईरान को जिम्मेदार ठहराना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से कमर्शियल शिपिंग को होने वाले खतरों को कम करना' था। कमांड ने एक्स पर एक और पोस्ट में कहा कि इस महीने की शुरुआत में ईरान के खिलाफ नेवल ब्लॉकेड फिर से शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना ने 12 कमर्शियल जहाजों को दूसरी तरफ मोड़ दिया है और एक को ईरानी पोर्ट या तटीय इलाकों में आने या जाने से रोक दिया है। कमांड ने कहा, 'नौ दिन पहले ईरान के खिलाफ नौसेना की नाकेबंदी फिर से शुरू करने के बाद से, सेंटकॉम ने 12 कमर्शियल जहाजों को दूसरी तरफ मोड़ दिया और एक को रोक कर दिया है ताकि जहाज ईरानी पोर्ट या तटीय इलाकों में आवागमन न सकें। '

चेक गणराज्य में सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक सैनिक की मौत, चार घायल

प्राग। चेक गणराज्य के पूर्वी हिस्से में एक सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार पांच सैनिकों में से एक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। चेक सेना ने इस हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घायलों का इलाज जारी है। सेना के अनुसार, दुर्घटना नाम्येश्त नाद ओसलावो स्थित सैन्य अड्डे पर हुई। यह क्षेत्र राजधानी प्राग से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। हादसे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। चेक सेना ने अपने बयान में कहा कि फिलहाल उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता घायल सैनिकों को हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना और उनके परिवारों को आवश्यक सहयोग देना है। सेना ने यह भी बताया कि मृतक सैनिक के परिजनों से संपर्क कर उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि हादसा तकनीकी खराबी, मानवीय त्रुटि या किसी अन्य वजह से हुआ।

अमेरिका ने भारत, पाकिस्तान समेत 60 देशों पर 10-12.5 प्रतिशत तक लगाया आयात शुल्क

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामान पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा की है। यह फैसला शुक्रवार से प्रभावी हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने जबरन मजदूरी से बने सामान के आयात को लेकर भारत समेत 60 देशों पर यह कार्रवाई की है। इन देशों पर 10 से 12.5फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। वाशिंगट पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत समेत 17 देशों पर 10 प्रतिशत और 43 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। अमेरिका ने यह कार्रवाई ट्रेड एक्ट-1974 की धारा 301 के तहत की है। नया अतिरिक्त आयात शुल्क गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात 12.01 बजे से प्रभावी हो गया है।जीओ न्यूज व अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना, बांग्लादेश, ब्रिटेन, कंबोडिया, कनाडा, इक्वाडोर, अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, भारत, इंडोनेशिया, जॉर्डन, मलेशिया, मैक्सिको, पाकिस्तान, श्रीलंका और त्रिनिदाद एवं टोबैगो पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क तय किया गया है। वहीं, यूरोपीय संघ, ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया और स्विट्जरलैंड के लिए ऐसी दरें तय की गईं, जिन्हें पहले से मौजूद 'मोस्ट-फेवर्ड-नेशन' टैरिफ दरों के साथ जोड़ने पर कुल दर 10 प्रतिशत या 12.5 प्रतिशत हो जाएगी।बाकी 38 देशों के लिए 12.5 प्रतिशत की दर तय की गई। इनमें चीन भी शामिल है, जिस पर अमेरिका ने उइगर अल्पसंख्यकों को वर्क कैंप में रखने का आरोप लगाया है, हालांकि बीजिंग इससे इनकार करता है।गौरतलब है कि यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ठीक इसी समय 10 प्रतिशत का अस्थायी ग्लोबल टैरिफ़ भी खत्म हो रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका में लगभग एक सदी से जबरन मजदूरी से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक है और अब वॉशिंगटन अपने व्यापारिक साझेदारों से भी इसी तरह के कदम उठाने की उम्मीद कर रहा है। यह कार्रवाई मानवाधिकारों के उल्लंघन और अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोकने की दिशा में पहला कदम है। यह कदम ट्रंप प्रशासन की उस व्यापार नीति का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका ने वैश्विक स्तर पर आयात शुल्क बढ़ाने की योजना बनाई थी। इससे पहले ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ आदेश को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था, जिसके बाद प्रशासन ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत नए शुल्क लागू किए हैं। विशेष नाकाबंदी अभियान में साढे चार हजार से अधिक वाहनों की जांच वहीं, नए टैरिफ को लेकर कई देशों ने विरोध दर्ज कराया है। नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे ने कहा कि उनके खिलाफ इस टैरिफ का कोई आधार नहीं है क्योंकि हमारे पास पहले से ही स्पष्ट नियम हैं जिनका मकसद जबरन मज़दूरी से बने सामान के व्यापार को रोकना है। ऑस्ट्रेलिया और ब्राज़ील ने नए टैरिफ को अनुचित बताया और कहा कि वे इन्हें हटवाने की कोशिश करेंगे।

भकनाडा ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का किया भंडाफोड़, 140 मिलियन कनाडाई डॉलर के नशीले पदार्थ जब्त

एजेंसी

ओंटारियो । स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई अधिकारियों ने सीमा पार संचालित एक कथित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। ओंटारियो में वजन के हिसाब से की गई सबसे बड़ी ड्रग जब्ती कार्रवाइयों में से एक के दौरान जांचकर्ताओं ने लगभग 14 करोड़ कनाडाई डॉलर मूल्य के अवैध मादक पदार्थ बरामद किए और 21 लोगों के खिलाफ आरोप दर्ज किए। पुलिस और कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, 'प्रोजेक्ट बे' नामक इस अभियान के तहत लगभग 973 किलोग्राम संदिग्ध कोकीन, 660 किलोग्राम संदिग्ध मेथामफेटामाइन और 49 किलोग्राम संदिग्ध अफीम बरामद की गई। जांच के दौरान अधिकारियों ने 230 ऑक्सीकोडोन की गोलियां, 17 आग्नेयास्त्र (जिनमें एक एंटी-टैंक राइफल भी शामिल है), भारी मात्रा में गोला-बारूद, प्रतिबंधित हथियार और उनसे संबंधित उपकरण भी जब्त किए। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों ने इसके अलावा महंगे आभूषण, नोट गिनने की मशीनें, 43 मोबाइल फोन, छह लैपटॉप, लगभग 80,000 कनाडाई डॉलर और 10,000 अमेरिकी डॉलर नकद भी बरामद किए। कथित अपराधों से जुड़ा एक वाहन भी जब्त किया गया। इस मामले की जांच जनवरी 2025 में विंडसर पुलिस ने शुरू की थी। इसके अगले महीने कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी जांच में शामिल हुई, ताकि कनाडा में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले कथित नेटवर्क की पहचान और जांच में सहायता मिल सके। जैसे-जैसे जांच प्रांतीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं तक फैली, ओंटारियो प्रांतीय पुलिस भी इसमें शामिल हो गई।

नेपाल आने वाले ला सकेंगे 5,000 डॉलर तक विदेशी मुद्रा, भारतीयों के लिए 25 हजार रुपये की सीमा तय

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल आने और नेपाल से बाहर जाने वाले व्यक्ति अब 5,000 अमेरिकी डॉलर तक की विदेशी मुद्रा नकदी के रूप में ला और ले जा सकेंगे। नेपाल में नकदी विदेशी मुद्रा लाने और बाहर ले जाने के संबंध में यह व्यवस्था 'विदेशी विनिमय अधिनियम' और 'संपत्ति शुद्धीकरण (मनी लॉन्ड्रिंग) निवारण अधिनियम' के प्रावधानों के तहत की गई है। नकदी विदेशी मुद्रा के संदर्भ में नेपाल राष्ट्र बैंक ने 16 जुलाई, 2018 और 9 अप्रैल, 2019 को सूचना जारी कर यह सीमा तय की थी। केंद्रीय बैंक ने फिर से सूचना जारी करते हुए नेपाली और भारतीय नागरिकों के लिए भी 25 हजार भारतीय रुपये की सीमा बरकरार रखी है। मौजूदा व्यवस्था के अनुसार नेपाली या विदेशी नागरिक 5,000 अमेरिकी डॉलर तक की नकदी विदेशी मुद्रा (और उन अन्य विदेशी मुद्राओं के मामले में भी जिनकी विनिमय दर राष्ट्र बैंक द्वारा प्रकाशित नहीं की जाती है, उसके बराबर राशि) बिना किसी सीमा शुल्क (कस्टम) घोषणा के नेपाल

ला सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि इससे अधिक राशि होने पर सीमा शुल्क घोषणा पत्र भरना और उसे सत्यापित कराना अनिवार्य है। नेपाल राजपत्र में प्रकाशित सूचना के अनुसार कोई भी व्यक्ति 9 नवंबर, 2016 से पहले प्रचलन में रहे 500 और 1000 रुपये के भारतीय नोटों का लेनदेन नहीं कर सकता है। केंद्रीय बैंक ने व्यवस्था की है कि नेपाली या भारतीय नागरिक प्रचलित नियमों के अनुसार 9 नवंबर, 2016 के बाद जारी और प्रचलन में आए 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट प्रति व्यक्ति 25 हजार की सीमा तक ला, ले जा तथा विनिमय (एक्सचेंज) करा सकते हैं। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने बताया है कि नेपाली नागरिकों को भारत के अलावा किसी अन्य देश में भारतीय रुपये ले जाने या किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय रुपये लाने की अनुमति नहीं है।

ट्रंप के जब्त संपत्तियों के इस्तेमाल पर ईरान की चेतावनी, कहा- दुनिया में खतरनाक मिसाल बनेगी

एजेंस

तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए ईरान की जब्त की गई संपत्तियों के इस्तेमाल की बात कहे जाने पर तेहरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने चेतावनी दी कि किसी देश की संपत्ति को इस तरह ज़ब्त करना अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरनाक मिसाल साबित होगा। ईरान की समाचार एजेंसी फ़ारस तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, अरागची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भविष्य में संभावित और असंबंधित दावों की भरपाई के लिए किसी दूसरे देश की संपत्ति ज़ब्त करना बेहद भड़काऊ कदम है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारें दूसरे देशों की संपत्तियों को ज़ब्त करना सामान्य प्रथा बना लेंगी, तो दुनिया में किसी भी देश की संपत्ति सुरक्षित नहीं रहेगी।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, जो लोग ऐसी ज़ब्त की गई संपत्तियों का स्वागत करते हैं या उनसे लाभ

उठाते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि एक बार यह परंपरा शुरू हुई तो किसी की भी संपत्ति सुरक्षित नहीं बचेगी। इससे पैदा होने वाली अराजकता न तो वैश्विक स्थिरता के लिए अच्छी होगी और न ही शांति के लिए।दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में जहाजों, कार्गो या उनसे जुड़ी संपत्तियों को होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई अमेरिका के नियंत्रण में मौजूद ईरान की जब्त की गई संपत्तियों से की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इसके लिए किस फंड का इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियां लंबे समय से फ्रीज़ हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच पहले से जारी तनाव और बढ़ गया है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच क्षेत्र में लगातार सैन्य कार्रवाई और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है, जिससे मिडिल ईस्ट में सुरक्षा और स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

चीन और आसियान देशों ने अमेरिका व ईरान से की संघर्ष रोकने की मांग

एजेंसी

मनीला। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच चीन और 11 सदस्यों वाले दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्रियों ने मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष को तुरंत समाप्त करने की अपील की है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, बातचीत का रास्ता अपनाने और युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने का आग्रह किया। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार, शुक्रवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित चीन और आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि मध्य पूर्व की तेजी से बिगड़ती स्थिति से आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान लगातार 13वें दिन भी एक-दूसरे पर जवाबी सैन्य हमले कर रहे हैं। जबकि पिछले

महीने ही उन्होंने 8 अप्रैल को हुए सीज़फायर को बनाए रखने और युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए बातचीत करने के मकसद से 'इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग' पर साइन किया था। बयान में अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के अनुरूप विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकालने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रियों ने कहा कि सभी पक्ष बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखें और शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद जारी रखें।

चीन और आसियान ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने अमेरिका और ईरान से अपील की कि वे सीज़फायर की शर्तों का सख्ती से पालन करते हुए इसे पूरी तरह और असरदार ढंग से लागू करना सुनिश्चित करें। संयुक्त बयान में संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने, आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मानवीय सहायता की निर्बाध पहुंच बनाए रखने की भी अपील की गई। साथ ही, सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने तथा तनाव बढ़ाने वाली किसी भी कार्रवाई से बचने का आग्रह किया गया। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के मद्देनजर चीन और आसियान ने 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून (यूएनसीएलओएस) के तहत अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए इस्तेमाल होने वाले जलमार्गों में जहाजों की सुरक्षित, निर्बाध और निरंतर आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

लगातार मानसूनी बारिश से नेपाल के 9 प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह बंद, यातायात बाधित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण देशभर में भूस्खलन और सड़कों का कटान शुरू हो गया है। इसके चलते नौ प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह से ठप्प हो गए हैं और कई अन्य सड़क खंडों पर आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार सुबह 9 बजे तक नौ प्रमुख सड़क राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। काब्रेपालान्चोक और सिंधुली को जोड़ने वाले बीपी राजमार्ग का खुरकोट-नेपालथोक-कटुन्जेबेसी खंड बाढ़ के खतरे को देखते हुए शाम 6 बजे से सुबह 4 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। इसी तरह, पूरे मानसून सीजन के दौरान कांति लोकपथ पर शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इलाम नगरपालिका के राजदुवाली में सड़क पर भारी कीचड़ जमा होने के कारण मेची राजमार्ग पूरी तरह से ठप्प हो गया है। भूस्खलन की वजह से सिंधुपालचौक के भोटेकोशी के ज़ीरोकिलो और कोडारी में अरनिको राजमार्ग भी बंद हो गया है। भूस्खलन के कारण पूरी तरह से बंद अन्य सड़कों में बागलुंग की जैमिनी नगरपालिका-8 स्थित बेलबगर में कालीगंडकी कॉरिडोर, रोल्पा की परिवर्तन नगरपालिका में घोराही-थावांग शहीद राजमार्ग, और मुगु की छायानाथ रारा नगरपालिका के पीना खोला में नगमा-गामगाडी सड़क शामिल हैं। रसुवा की गोसाईंकुंड में पासांग ल्हामू राजमार्ग और अछाम की पांचदेवल बिनायक नगरपालिका-4 के पानीखोला में मध्य-पहाड़ी राजमार्ग (मिड-हिल हाईवे) भी भूस्खलन के कारण पूरी तरह से बंद हैं। इसी तरह, लमजुंग की मर्स्यांगदी नगरपालिका के म्याग्दे भीर में बेसीसहर-चामे-मनांग सड़क खंड भूस्खलन के बाद अवरुद्ध है। इस बीच, नेपाल पुलिस ने बताया कि दोलखा की तामाकोशी के किरनेतार में तामाकोशी नदी द्वारा सड़क का एक हिस्सा बहा ले जाने के बाद लामोसांगु-रामेछाप सड़क मार्ग बाधित हो गया था।

मैनहट्टन चाकूबाजी पर बवाल, इज़राइल ने न्यूयॉर्क के मेयर मम्दानी को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन स्थित अपर वेस्ट साइड में हुए चाकू हमले के बाद इज़राइल और न्यूयॉर्क के मेयर ज़ोरान मम्दानी के बीच राजनीतिक विवाद गहरा गया है। इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इस घटना को भयानक यहूदी-विरोधी हमला बताते हुए आरोप लगाया कि मेयर के बयानों ने ऐसा माहौल बनाया, जिसमें यहूदियों को निशाना बनाया जा रहा है। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी)के मुताबिक, न्यूयॉर्क पुलिस ने बताया कि हमले में एक यहूदी और एक एशियाई व्यक्ति घायल हुए हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) ने 51 वर्षीय राउल मोरालेस को हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त

जेसिका टिश ने बताया कि पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर ने दोनों हमलों के दौरान कथित तौर पर अल्लाहु अकबर का नारा लगाया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह घटना नफरत से प्रेरित अपराध के दायरे में आती है। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध की मानसिक स्थिति भी जांच का एक पहलू है।न्यूयॉर्क के मेयर ज़ोरान मम्दानी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि गवाहों और पीड़ितों ने हमलावर को अल्लाहु अकबर चिल्लाते हुए सुना था। उन्होंने कहा कि हमारे शहर में ऐसे नफरत भरे और घिनौने हमलों के लिए कोई जगह नहीं हैइज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हिंसा अचानक नहीं हुई, बल्कि इज़राइल के खिलाफ लंबे समय से की जा रही कथित भड़काऊ बयानबाजी का परिणाम है। उन्होंने मेयर मम्दानी से यहूदी-विरोध के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने और न्यूयॉर्क के यहूदी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। गौरतलब है कि, डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट नेता ज़ोरान मम्दानी पहले भी इज़राइल की गाज़ा नीति की तीखी आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने इज़राइल पर गाज़ा में नरसंहार का आरोप लगाया था और अमेरिकन-इज़राइल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) की भी आलोचना की थी। उनकी इन टिप्पणियों को लेकर कुछ यहूदी संगठनों ने उन्हें यहूदी-विरोधी करार दिया, हालांकि मम्दानी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह हर प्रकार के यहूदी-विरोध के खिलाफ हैं और न्यूयॉर्क के यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बीच, न्यूयॉर्क पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है और हमले के पीछे के वास्तविक मकसद का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने 2.23 लाख से अधिक बेटिंग वेबसाइट और ऐप बंद किए

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी (बेटिंग) और अवैध वित्तीय कारोबार में संलग्न 2,23,568 वेबसाइट और मोबाइल ऐप बंद कर दिए हैं। यह कार्रवाई सरकार की शासकीय सुधार संबंधी 100 कार्यसूची के तहत की गई है। सरकार ने संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को निर्देश दिया था कि सट्टेबाजी ऐप और उनसे संबंधित वेबसाइटों को 24 घंटे के भीतर बंद किया जाए। उसी निर्णय के अनुसार नेपाल में संचालित सभी बेटिंग वेबसाइटों पर कार्रवाई शुरू की गई थी प्राधिकरण के अनुसार, पहले बंद की गई कई वेबसाइटें नए नामों से दोबारा सक्रिय हो रही थीं। इसी कारण इस वर्ष फीफा विश्व कप शुरू होने के बाद विशेष अभियान चलाकर 2.23 लाख से अधिक नए ऐप और वेबसाइट ब्लॉक किए गए। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने भी विश्व कप के दौरान बेटिंग ऐप के उपयोग बढ़ने की आशंका जताते हुए इस विषय में विशेष रुचि दिखाई, जिसके बाद एनटीए ने त्वरित कार्रवाई के लिए अलग टास्क फोर्स गठित की। टास्क फोर्स में शामिल दूरसंचार के सहायक निदेशक एवं इंजीनियर ओमप्रकाश महतो ने बताया कि विश्व कप शुरू होने के बाद इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के प्रतिनिधियों को प्राधिकरण में ही तैनात कर संदिग्ध वेबसाइटों के यूआरएल ब्लॉक किए गए। महतो के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में वेबसाइटों की एक-एक कर पहचान करना कठिन होता है। इसलिए विभिन्न अधिकृत संस्थाओं द्वारा चिन्हित बेटिंग साइटों और अवैध वित्तीय कारोबार वाली वेबसाइटों को आईएसपी के सहयोग से ब्लॉक किया जाता है। उन्होंने कहा कि एक वेबसाइट बंद होने पर दूसरी नई वेबसाइट खुल जाना बड़ी चुनौती है, इसलिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रखनी पड़ती है। प्राधिकरण ने बताया कि नए अवैध प्लेटफॉर्म की पहचान के लिए 'थ्रेट इंटेलिजेंस टूल' का उपयोग कर विशेष 'हंटिंग' अभियान चलाया जा रहा है और इसके लिए अलग जनशक्ति भी तैनात की गई है। एनटीए ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी अवैध बेटिंग या वित्तीय वेबसाइट की जानकारी हो तो उसे github.com/NTA-OPM लिंक के माध्यम से अपडेट किया जा सकता है।

समुद्री हमलों से हुए नुकसान का भुगतान ईरानी संपत्तियों से कराया जाएगा: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भविष्य में जहाजों, कार्गो या उससे जुड़ी प्रॉपर्टी को होने वाले किसी भी नुकसान का भुगतान अमेरिकी कंट्रोल में रखे ईरानी फंड से किया जाएगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'कृपया, इस बयान का मतलब है कि अगली सूचना तक, अब से जहाजों, कार्गो या उससे जुड़ी किसी भी चीज को हुए किसी भी नुकसान की भरपाई ईरानी पैसे से की जाएगी, जो अमेरिका के पास है और जिसे वह कंट्रोल करता है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'ये नुकसान बहुत ज्यादा हो सकते हैं, लेकिन फिर भी, यह सही और बराबरी का काम है। ' न्यूज एजेंसी के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि किस तरह की घटनाओं में ईरानी एसेट्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह बात तब आई जब मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ईरान पर एयरस्ट्राइक जारी रखे हुए है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि ईरान भारी सैन्य दबाव झेलने के बावजूद अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर डील करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि तेहरान अपनी बातचीत की स्थिति बदलता रहा, जबकि अमेरिका उसे परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए पक्का इरादा रखता है। ईरान के साथ लड़ाई में मारे गए चार अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए, ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को जॉर्जिया में एक कैंपेन-स्टाइल रैली में तेहरान को लेकर अपनी सरकार के राजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए का बचाव किया ।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को घेरा, पीओके में दमन पर संयुक्त राष्ट्र की चुप्पी को लेकर उठाए सवाल

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने संयुक्त राष्ट्र के प्रति निराशा जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान, खासकर उसके कब्जे वाले कश्मीर में हो रहे दमन को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि अन्य देशों में ऐसी घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र खुलकर आलोचना करता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरिश ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पूरे पाकिस्तान में मानवाधिकारों के दमन और स्वतंत्रता पर अंकुश का जिक्र करते हुए कहा, 'अन्य देशों में इसी तरह की घटनाओं पर संयुक्त राष्ट्र कड़ी प्रतिक्रिया देता है, लेकिन पाकिस्तान में हो रहे ऐसे दमन को वह ध्यान नहीं मिलता, जिसका वह हकदार है। ' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी घटनाक्रम पाकिस्तानी राज्य के वास्तविक चरित्र को पूरी तरह उजागर करते हैं। ' 'विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तंत्र को मजबूत करने' के विषय पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दा उठाए जाने का जवाब देते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरिश ने कहा, 'दुनिया पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कश्

page 1 and 8 July 25_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/25/2026 12:53 AM Page 2

मत करें चिंता, सबकी समस्या पर होगी प्रभावी कार्रवाई : सीएम

गोरखनाथ मंदिर परिसर में लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन का आयोजन किया मुख्यमंत्री ने

गोरखपुर, 24 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर उन्होंने समस्या-शिकायत लेकर आए लोगों को भरोसा देते हुए कहा, 'चिंता मत करें, सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी।' मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आईं शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए।

जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना, उनके प्रार्थनापत्र लिए। उन्होंने पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना

पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी का निस्तारण निष्पक्ष और समयबद्ध होना चाहिए।

अपराध व जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही इलाज के लिए आर्थिक मदद से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर उन्होंने अस्पतालों के इस्टीमेट की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने को कहा। सीएम ने लोगों को आश्वस्त किया कि इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की

150 लोगों से मुलाकात कर सीएम योगी ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए शीघ्रता से समाधान करने के निर्देश

गोशाला में जाकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने भ्रमण करते हुए कुछ गोवंश को उनके नामों से पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही गोवंश दौड़ते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। उन्होंने मंदिर की गोशाला की अन्य गायों और नंदी को भी अपने हाथों से गुड़ खिलाया। साथ ही गोशाला के कार्यकर्ताओं को गायों की देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

योगी का आगरा दो दिवसीय दौरा, 342 करोड़ की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

आगरा, 24 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार से आगरा के दो दिवसीय महत्वपूर्ण दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ताजनगरी को 342 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 53 बड़ी विकास परियोजनाओं की शानदार सौगात देंगे। मुख्यमंत्री का मुख्य कार्यक्रम फतेहाबाद रोड स्थित टाटा मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

इसके बाद वे मंच से जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। इसी विशेष कार्यक्रम में नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनके नियुक्ति पत्र भी बांटे जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ कमिश्नरी सभागार पहुंचेंगे, जहां वे प्रशासनिक और विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा बैठक करेंगे।

इसके अलावा आगरा के विकास को गति देने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की जाएगी। मुख्यमंत्री के सुरक्षित आवागमन के लिए टाटा मैदान और खंदारी स्थित आरबीएस कॉलेज परिसर में दो हेलीपैड बनाए गए हैं। शुक्रवार को दिनभर जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर, मुख्य विकास अधिकारी और पुलिस प्रशासन के सभी आला अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का अंतिम जायजा लिया।

स्थानीय समाचार

कृषि निदेशक जम्मू ने परीक्षण प्रयोगशालाओं के कार्यों की समीक्षा की, पारदर्शिता और गुणवत्ता मानकों पर दिया जोर

जम्मू, 24 जुलाई। कृषि निदेशक जम्मू अनिल गुप्ता ने आज कृषि भवन, तालाब तिल्लो, जम्मू स्थित कृषि रसायनज्ञ कार्यालय के अंतर्गत संचालित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला (एसटीएल), कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशाला (पीटीएल) तथा उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (एफक्यूसीएल) के कार्यों और गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था की समीक्षा की।

उन्होंने तीनों प्रयोगशालाओं का निरीक्षण कर परीक्षण प्रक्रियाओं, विश्लेषणात्मक सुविधाओं, अभिलेखों के रखरखाव, प्रयोगशालाओं की स्वच्छता, उपकरणों की कार्यक्षमता, गुणवत्ता नियंत्रण मानकों के अनुपालन तथा कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रयोगशाला कर्मियों से संचालन संबंधी चुनौतियों पर भी चर्चा की।

कृषि निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर परीक्षण संबंधी लक्ष्य पूरे किए जाएं तथा तकनीकी दक्षता, वैज्ञानिक सटीकता और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला रिपोर्ट निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही तैयार की जानी चाहिए, ताकि परीक्षण परिणामों की विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने विश्लेषकों को निर्देश दिए कि कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशाला में अतिरिक्त कीटनाशक अणुओं (मॉलिक्यूल्स) को परीक्षण के दायरे में शामिल किया जाए, ताकि अधिक प्रकार के कीटनाशक उत्पादों की निगरानी की जा सके। उन्होंने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) के तहत स्थापित मिनी मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं को मजबूत बनाने तथा जैविक उर्वरकों, जैव उर्वरकों और कीटनाशक अवशेषों की जांच की सुविधाओं को भी सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत परीक्षण अवसंरचना कृषि आदानों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ टिकाऊ कृषि पद्धतियों को भी बढ़ावा देगी।

कृषि रसायनज्ञ रोशन लाल ने कृषि निदेशक को बताया कि तीनों प्रयोगशालाओं को राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त है तथा किसानों को सटीक और समयबद्ध परीक्षण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयोगशालाओं के आधारभूत ढांचे, विश्लेषण क्षमता और गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली को लगातार उन्नत किया जा रहा है।

इस अवसर पर कृषि निदेशक के साथ कृषि रसायनज्ञ रोशन लाल, एसएमएस-आरएल कृष्ण कांत, सहायक मृदा रसायनज्ञ (एसटीएल) चंद्रशेखर, सहायक कृषि रसायनज्ञ (पीटीएल) रविंद्र गुप्ता, सहायक जैव रसायनज्ञ (एफक्यूसीएल) दीपक सिंह, विश्लेषक तथा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

डीडीसी पुंछ ने सुरनकोट उपमंडल के फ्लैश फ्लड प्रभावित हारी-मरहोटे गांवों का दौरा कर राहत एवं बहाली कार्यों की समीक्षा की

पुंछ, 24 जुलाई। जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) पुंछ अशोक कुमार शर्मा ने आज सुरनकोट तहसील के फ्लैश फ्लड प्रभावित हारी-मरहोटे गांवों का दौरा कर हालिया प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया तथा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत, बचाव और पुनर्बहाली कार्यों की समीक्षा की।

डीडीसी सुबह तड़के प्रभावित क्षेत्र पहुंचे। उनके साथ उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) सुरनकोट मोहम्मद फारूक खान, सहायक आयुक्त (विकास) शकील अहमद, लोक निर्माण विभाग (आर एंड बी), जल शक्ति विभाग तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यकारी अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थेउन्होंने सड़कों, दुकानों, स्कूल भवनों, नदी किनारे बने सुरक्षा तटबंधों, कृषि भूमि, खड़ी फसलों, बागवानी क्षेत्र, सिंचाई नहरों तथा अन्य सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों को हुए नुकसान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा नुकसान और तत्काल आवश्यकताओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। डीडीसी ने संबंधित विभागों से नुकसान की सीमा, बहाली कार्यों की प्रगति तथा प्रभावित गांवों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए क्षतिग्रस्त सड़कों, सार्वजनिक सुविधाओं और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को होने वाली असुविधा कम की जा सके। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को बहाली कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए तथा एसडीएम सुरनकोट को राहत एवं पुनर्बहाली कार्यों की व्यक्तिगत निगरानी करने और विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जा सकें।

रामबन में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर जिला स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

रामबन, 24 जुलाई। उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान के मार्गदर्शन में आज जिला स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन सम्मेलन कक्ष, रामबन में प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएम गति शक्ति-एनएमपी) के तहत किया गया।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा जिला उद्योग केंद्र रामबन के महाप्रबंधक रविंद्र कुमार अपने कर्मचारियों सहित उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य योजना अधिकारी रामबन डॉ. शकीब अहमद राथर ने कहा कि प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान एकीकृत आधारभूत संरचना योजना, आंकड़ा आधारित प्रशासन और समन्वित निर्णय प्रक्रिया को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित पीएम गति शक्ति पोर्टल का प्रभावी उपयोग परियोजनाओं की बेहतर योजना बनाने, क्रियान्वयन में देरी कम करने तथा सार्वजनिक संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग को सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि वे पीएम गति शक्ति पोर्टल की पहुंच प्राप्त करें तथा विकास परियोजनाओं की योजना, निगरानी और क्रियान्वयन के लिए इस मंच का उपयोग करें। साथ ही विभागीय आंकड़ों को समयबद्ध, सटीक और प्रमाणित रूप से अपलोड करने के लिए मेकर, चेकर और अप्रूवर के रूप में उपयुक्त अधिकारियों को नामित करें। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की तकनीकी टीम, जो जम्मू-कश्मीर में पीएम गति शक्ति के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग है, ने पोर्टल के विभिन्न घटकों पर प्रशिक्षण सत्र और प्रस्तुतियां दीं।

उपायुक्त किश्तवाड़ ने श्री मचैल माता जी यात्रा-2026 की तैयारियों की समीक्षा की

किश्तवाड़, 24 जुलाई। उपायुक्त किश्तवाड़ पंकज कुमार शर्मा ने आज श्री माछैल माता जी यात्रा-2026 की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) पाडर डॉ. अमित कुमार ने यात्रा मार्ग पर की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि पूरे यात्रा मार्ग पर सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। गुलाबगढ़, तातापानी और दर्शनी गेट पर मोबाइल शौचालय स्थापित किए गए हैं। दर्शनी गेट पर लगभग 60 से 70 वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जबकि गुलाबगढ़ में भी पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है। यात्रियों के लिए पेयजल और लंगर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के कार्यकारी अभियंता को संवेदनशील स्थानों पर पहले से मशीनरी तैनात रखने तथा गुलाबगढ़ से दर्शनी ड्योढ़ी, माछैल तक के मार्ग और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के साथ समन्वय बनाकर भूस्खलन संभावित क्षेत्रों, विशेषकर पत्थरनाकी, पर लगातार निगरानी रखने तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था तैयार रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस विभाग और यातायात पुलिस को सभी संवेदनशील स्थलों पर यातायात का सुचारु प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) कार्ड प्रणाली का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए। सभी यात्रियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किश्तवाड़ नरेश सिंह ने बैठक में बताया कि दर्शनी गेट तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर एक्स-रे मशीनों से युक्त सुरक्षा जांच इकाइयां स्थापित की गई हैं। 17 राष्ट्रीय राइफल्स (17 आरआर) के कमांडिंग अधिकारी ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था तथा स्थापित किए जा रहे चिकित्सा शिविरों की जानकारी दी।

फिक्की फ्लो जेकेएल ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अमेज़न सहेली कार्यशाला का आयोजन किया

जम्मू, 24 जुलाई। फिक्की फ्लो जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख (फिक्की फ्लो जेकेएल) ने अमेज़न सहेली के सहयोग से ग्रैंड प्लाज़ा होटल, बी.सी. रोड, जम्मू में डिजिटल उद्यमिता पर एक सशक्तिकरण कार्यशाला का सफल आयोजन किया। इस कार्यशाला में फिक्की फ्लो की सदस्याओं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), मिशन युवा के प्रतिभागियों, सहकारी समितियों से जुड़ी महिलाओं तथा नवोदित महिला उद्यमियों सहित 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नागरोटा विधानसभा क्षेत्र की विधायक देवयानी राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर की अध्यक्ष नेहा महाजन, उप निदेशक रोजगार जम्मू सुनीना सैनी

(जेकेएएस), सहायक निदेशक रोजगार रेखा बाली (जेकेएएस), संयुक्त पंजीयक सहकारी समितियां (विशेष) एवं प्रधानाचार्य, सहकारी प्रबंधन केंद्र प्रीति शर्मा (जेकेएएस), दि उन्नति एग्री एलाइड एंड मार्केटिंग मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड तथा जम्मू-कश्मीर डेयरी कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष विक्रांत डोगरा सहित जम्मू जिले के बाजार, उद्यम विकास और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। कार्यशाला का संचालन अमेज़न इंडिया की रणनीतिक साझेदारी कार्यकारी काशिश दीवान ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को अमेज़न सहेली कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी तथा ई-कॉमर्स के माध्यम से महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों की स्थापना, विस्तार और दीर्घकालिक विकास के व्यावहारिक उपाय साझा किए।

एडीसी भद्रवाह ने स्वतंत्रता दिवस 2026 समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

भद्रवाह, 24 जुलाई। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) भद्रवाह सुनील कुमार भुट्याल ने आज डाक बंगला, भद्रवाह में बैठक की अध्यक्षता कर स्वतंत्रता दिवस-2026 समारोह की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। बैठक में मुख्य समारोह के लिए की जाने वाली सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। मुख्य कार्यक्रम न्यू बस स्टैंड, कोटली, एडीसी कार्यालय भद्रवाह के निकट आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों को सभी सरकारी भवनों एवं कार्यालयों पर आकर्षक रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं, नगर समिति भद्रवाह को पूरे शहर में स्वच्छता बनाए रखने, विशेषकर समारोह स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों की सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में राजकीय डिग्री कॉलेज भद्रवाह के प्राचार्य, 4 राष्ट्रीय राइफल्स (4 आरआर) के कमांडिंग अधिकारी, 33वीं बटालियन सीआरपीएफ के उप कमांडेंट, थाना प्रभारी भद्रवाह, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यकारी अभियंता, बालक एवं बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य, सीडीपीओ (आईसीडीएस), जोनल शिक्षा अधिकारी, जोनल प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, विद्युत विकास विभाग एवं पीएमजीएसवाई के सहायक कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग (आर एंड बी) के सहायक अभियंता, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी भद्रवाह, पशुधन विकास अधिकारी भद्रवाह तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

पुलिस और यातायात अधिकारियों को सभी आयोजन स्थलों के आसपास व्यापक सुरक्षा व्यवस्था और प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि प्रतिभागियों और आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

श्रीनगर, 24 जुलाई । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए नागरिक प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में प्रशासनिक सचिव, संभागीय आयुक्त, एडीजीपी, आईजीपी, उपायुक्त, एसएसपी, सूचना निदेशक, स्कूल शिक्षा निदेशक (जम्मू/कश्मीर), स्वास्थ्य सेवा निदेशक (जम्मू/कश्मीर), पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने श्रीनगर और जम्मू में मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोहों के लिए की जा रही तैयारियों की व्यापक समीक्षा की साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में जिला, उपमंडल, तहसील, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले समारोहों की भी समीक्षा की।राष्ट्रीय अवसर के महत्व पर जोर देते हुए दुल्लू ने सभी संबंधित विभागों को समारोहों के सफल संचालन के लिए सटीक योजना और सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गणमान्य व्यक्तियों, छात्रों और आम जनता की सुचारू भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जानी चाहिए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने उच्च गुणवत्ता वाले प्रदर्शनों के माध्यम से जम्मू और कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मिश्रित परंपराओं को प्रदर्शित करने का आह्वान किया। उन्होंने देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने

के लिए स्कूली छात्रों और युवाओं की अधिक भागीदारी पर बल दिया।

उन्होंने पुलिस और यातायात अधिकारियों को सभी आयोजन स्थलों के आसपास व्यापक सुरक्षा व्यवस्था और प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि प्रतिभागियों और आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए दुल्लू ने संबंधित विभागों को पीने के पानी, छायादार बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया विशेष रूप से स्कूली बच्चों और अन्य प्रतिभागियों के लिए।

मुख्य सचिव ने स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने, निर्बाध बिजली आपूर्ति, उचित रोशनी और आयोजन स्थलों के सौंदर्यीकरण पर भी जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि समारोहों के दौरान सभी सार्वजनिक उपयोगिताएं पूरी तरह से चालू रहें।

उन्होंने सूचना विभाग को निर्देश दिया कि पूर्ण पूर्वाभ्यास से काफी पहले पब्लिक एड्रेस सिस्टम और अन्य ऑडियो-विजुअल उपकरणों को स्थापित करके उनका पूरी तरह से परीक्षण कर लिया जाए साथ ही किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त बैकअप व्यवस्था भी रखी जाए।